Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर

वर्ष : 03

अंक : 237

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2.00

गुरूवार,26 मार्च 2026

मंत्र भारत

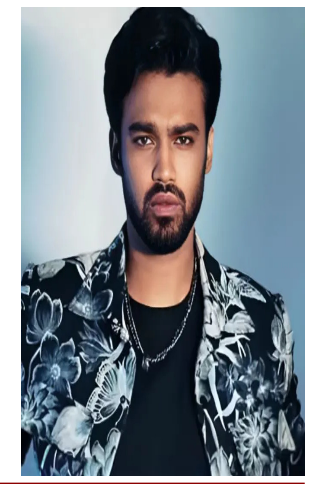

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 परीक्षा देने स्कूल गई दो सगी बहनें लापता

4 सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के ये हैं कारण

7 लंबे समय बाद काम पर लौटे बाबिल खान

सीएम योगी का बहराइच दौरा

136 परिवारों को आवास और भूमि की सौगात

अब भरथापुर कहलाएगा 'भरतपुर'

लखनऊ/बहराइच। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के मिहिरपुरवा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास हेतु भूमि के पट्टों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए धनराशि डिजिटल माध्यम से हस्तांतरित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बहराइच की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए इसे सुहेलदेव के शौर्य की धरती बताया। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव का पराक्रम आज भी समाज को प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा उपेक्षित रहे करीब 500 परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार सेवा और संवेदना के आधार पर बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ प्रदेशवासियों के लिए कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सरकार जाति, पंथ या संप्रदाय के आधार पर नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद को परिवार का हिस्सा मानकर योजनाओं का लाभ दे रही है। उन्होंने कहा कि इस पुनर्वास योजना में दलित, पिछड़े, जनजातीय समुदाय समेत विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी और जातिवाद के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में माफिया, गुंडागर्दी और दंगों का माहौल रहता था, जिससे विकास बाधित होता था।

उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है और सभी त्योहार शांति व सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। नवरात्रि और आगामी रामनवमी के आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर परिवार को सुरक्षित आवास, मूलभूत सुविधाएं और बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने भविष्य को सशक्त बना सकें।

छोटे शहरों के लिए बड़ी 'उड़ान':

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड के लिए सरकार ने खोला खजाना, 28,840 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने उड़ान योजना में सुधार, आईवीएफआरटी 3.0 और पेरिस समझौते के तहत एनडीसी के लिए कुल 30,640 करोड़ रुपये के फैसलों को मंजूरी दी है। भारत सरकार ने देश के विमानन ढांचे, इमिग्रेशन सिस्टम और वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 30,640 करोड़ रुपये के की परियोजनाओं और नीतिगत फैसलों को अपनी मंजूरी दे दी है। इन अहम फैसलों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने वाली 'मॉडिफाइड उड़ान योजना' और 'आईवीएफआरटी 3.0' के विस्तार के साथ-साथ पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से जुड़ा एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय शामिल है। उड़ान योजना में बड़ा बदलाव कैबिनेट की बैठक में सबसे बड़ा वित्तीय आवंटन विमानन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए सरकार ने 'मॉडिफाइड उड़ान योजना' को 28,840 करोड़ रुपये की भारी-भरकम मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देश भर में 100 नए हवाई अड्डों और 200 हेलीपैड विकसित करने की योजनाओं के साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इमिग्रेशन और वीजा सिस्टम का होगा आधुनिकीकरण कैबिनेट ने विदेशियों के भारत आने, उनके वीजा और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने 'इमिग्रेशन, वीजा, फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन एंड ट्रैकिंग' (आईवीएफआरटी 3.0) योजना को अगले पांच वर्षों यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है, जिसके लिए 1,800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

सार संक्षेप

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भूमि अधिग्रहण के मुआवजे और उस पर ब्याज वित्तीय बोझ पर निर्भर नहीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि भूमि अधिग्रहण मामलों में उचित मुआवजे की सांविधानिक गारंटी को कम नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्षतिपूर्ति और ब्याज वित्तीय बोझ की मात्रा पर निर्भर नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की समीक्षा याचिका खारिज कर दी। एनएचएआई ने 4 फरवरी, 2025 के फैसले की समीक्षा मांगी थी। इस फैसले में कहा गया था कि 2019 का निर्णय पूर्वव्यापी रूप से लागू होगा। 2019 के फैसले में एनएचएआई अधिनियम के तहत अधिग्रहित भूमि के किसानों को मुआवजा और ब्याज देने की बात थी। पीठ ने कहा कि भूस्वामियों को देय ब्याज भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार नौ फीसदी होगा।

रसोई गैस संकट पर सरकार का बड़ा फैसला, पीएनजी नहीं अपनाया तो बंद होगी एलपीजी सप्लाई

नई दिल्ली। पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध होने पर भी इसकी सेवा नहीं लेने वाले उपभोक्ताओं की घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। सरकार ने आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है। यह कदम गैस नेटवर्क के विस्तार को तेज करने और एक ही ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण प्रमुख स्त्रोतों से आपूर्ति प्रभावित होने से भारत में एलपीजी की कमी की स्थिति के बीच सरकार घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पीएनजी अधिक सुविधाजनक विकल्प है और इसकी आपूर्ति घरेलू उत्पादन तथा विविध स्त्रोतों से की जाती है। पीएनजी पाइपलाइन के माध्यम से रसोई गैस बर्नर तक लगातार पहुंचाई जाती है, जिससे सिलेंडर की बुकिंग की आवश्यकता नहीं रहती। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्राकृतिक गैस तथा पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, संचालन व विस्तार तथा अन्य सुविधाएं) आदेश, 2026 अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य पाइपलाइन अवसंरचना के विकास में तेजी लाना, मंजूरियों को आसान बनाना तथा एलपीजी से पीएनजी की ओर बदलाव को बढ़ावा देकर ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इस 24 मार्च को जारी आदेश में कहा गया कि यदि पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद कोई परिवार इसे नहीं अपनाता है ।

गुजरात में यूसीसी विधेयक पास,गृह मंत्री बोले

तुष्टीकरण नहीं, समान अधिकार हमारा संकल्प है

गुजरात। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने के लिए गुजरात की सराहना की, इसे उत्तराखंड के बाद दूसरा राज्य बताते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है। उन्होंने भाजपा की सभी नागरिकों के लिए समान कानून की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि देश का संचालन तुष्टीकरण पर नहीं, बल्कि समान कानूनों पर होना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित किए जाने की सराहना करते हुए इसे भारत के सभी नागरिकों के लिए समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। 31 जनवरी, 2026 को शाह ने पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून के प्रति भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। शाह ने कहा कि भाजपा की स्थापना से ही यह संकल्प रहा है कि देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून हो। मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के बाद गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और इस प्रकार अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश का संचालन तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानूनों के आधार पर होना चाहिए झ यही हमारी प्राथमिकता और हमारा संकल्प है। इससे पहले, भूपेंद्र पटेल ने विधेयक पारित होने पर राज्य विधानसभा के सभी सदस्यों और गुजरात के नागरिकों को भी बधाई दी। एक ट्वीट में उन्होंने इस घटना को गुजरात और राष्ट्र दोनों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। इस विधेयक के पारित होने के साथ ही गुजरात, धर्म या समुदाय की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों को नियंत्रित करने वाला एक समान कानूनी ढांचा लागू करने वाला दूसरा भारतीय राज्य बन गया है। पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने से राज्य में सभी धर्मों और समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे मामलों में एक समान कानूनी ढांचा स्थापित होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं के लिए समान अधिकारों को सुनिश्चित करता है, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। पटेल ने कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि सभी धर्मों और जातियों की महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हों, जिससे उनकी गरिमा और सुरक्षा और मजबूत होगी।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

रामनवमी पर दो दिन का अवकाश; अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने रामनवमी के अवसर पर दो दिन की छुट्टी घोषित कर श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी है। यह निर्णय मंदिरों में बढ़ती भीड़ और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लिया गया है। लगातार अवकाश से लोगों को पूजा, यात्रा और दर्शन में सुविधा मिलेगी। प्रशासन को सुरक्षा के निर्देश दिए गए हैं। रामनवमी पर योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पहले से घोषित 26 मार्च के सार्वजनिक अवकाश के साथ अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। मंदिरों में रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। अयोध्या हर साल इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं, जिससे व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में अतिरिक्त अवकाश से लोगों को सुविधा मिलेगी और भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार आस्था और परंपराओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन को भी निर्देश दिए गए हैं कि सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। लगातार दो दिन की छुट्टी से श्रद्धालुओं को न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, बल्कि यात्रा और दर्शन भी अधिक सहज हो सकेंगे।

'वोटर लिस्ट से हटे आठ लाख नाम, बंगाल में नहीं होने देंगे एनआरसी; नक्सलबाड़ी में गरजीं ममता

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सीएम ममता बनर्जी भाजपा पर हमलावर हैं। उन्होंने नक्सलबाड़ी में कहा कि भाजपा वाले जानना चाहते हैं कि आपके परिवार में कितने बच्चे हैं। आप किस देश के नागरिक हैं। जब देश में आजादी का आंदोलन हुआ था, तब भाजपा पैदा भी नहीं हुई थी। बंगाल चुनाव की तपिश के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नक्सलबाड़ी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान 'दीदी' के निशाने पर केंद्र की भाजपा सरकार रही। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में नागरिकता के मुद्दे से लेकर आदिवासियों के हक तक, हर उस नब्ज को टटोला, जो बंगाल की राजनीति में सबसे ज्यादा संवेदनशील मानी

जाती है। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि न ठफ्छ होने दूंगी, न डिटेंशन कैंप बनने दूंगी। एसआईआर के दौरान गई 220 लोगों की जान- सीएम ममता सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि कुल 27 लाख मतदाता ऐसे थे जिनकी पात्रता की जांच एसआईआर के तहत की जा रही थी। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि पहली लिस्ट में ही 8 लाख नाम हटा दिए गए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह लिस्ट है कहां? चुनाव आयोग ने इसे सिर्फ ऑनलाइन क्यों रखा है? सरकारी दफ्तरों में इसकी हार्ड कॉपी अब तक क्यों नहीं लगाई गई? सीएम ने कहा कि जब तक लिस्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी, तब तक इन आंकड़ों का सत्यापन संभव नहीं है। इतना ही नहीं, 'दीदी' ने दावा किया है कि इस प्रक्रिया के तनाव के चलते अब तक 220 लोगों की मौत हो चुकी है।

रक्षा मंत्री का एक्शन मोड, पश्चिम एशिया संकट के बीच बीआरओ और सैन्य तैयारियों पर की अहम बैठक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा और परिचालन तैयारियों का जायजा लेने के लिए संसदीय समिति और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकों की अध्यक्षता की। इन बैठकों में सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास और वैश्विक सुरक्षा घटनाओं से उत्पन्न आर्थिक व रणनीतिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 25 मार्च को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) पर संसदीय परामर्श समिति की अध्यक्षता की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा और परिचालन तैयारियों को मजबूत करने की पहलों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राजनाथ सिंह ने पर एक पोस्ट में कहा कि आज मैंने सीमा सड़क संगठन विषय पर संसदीय परामर्श समिति की बैठक की अध्यक्षता की। रक्षा, अवसंरचना विकास और परिचालन तत्परता को मजबूत करने के उद्देश्य से चल रही रणनीतिक पहलों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक और गहन विचार-विमर्श हुआ। इससे एक दिन पहले, 24 मार्च को, रक्षा मंत्री ने हाल की वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर और भारत की रक्षा तैयारियों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अध्यक्ष समीर कामत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, जो अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, ने होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद स्थिति और बिगड़ गई।

उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में नए मंत्रियों का स्वागत, पीएम मोदी के संदेश पर जताया आभार

देहरादून। उत्तराखंड मंत्री परिषद (कैबिनेट) की बुधवार सुबह देहरादून स्थित सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बैठक शुरू हुई।

बैठक की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने कैबिनेट में शामिल नए मंत्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। बैठक के दौरान सीएम धामी ने वर्तमान सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुभकामना संदेश के संबंध में मंत्रिमंडल को अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के संदेश का विधिवत वाचन किया। प्रधानमंत्री के शुभकामना संदेश पर कैबिनेट ने आभार व्यक्त करते हुए इसे राज्य सरकार के लिए प्रेरणादायक बताया। कैबिनेट सदस्यों ने कहा कि यह संदेश राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक गति देने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा जारी है।

लोकसभा से वित्त विधेयक2026 पास, वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- संकल्प से चल रही है सरकार

नईदिल्ली। लोकसभा ने वित्त विधेयक 2026 को मंजूरी दे दी है, जिसके साथ ही सरकार ने एफसीआरए और दिवाला संहिता में भी महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित किए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ये आर्थिक सुधार मजबूरी में नहीं, बल्कि देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ किए जा रहे हैं।

लोकसभा ने वित्त विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार से पहले मजबूरी के चलते आर्थिक सुधार किए जाते थे, लेकिन अब संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ यह किया जा रहा है तथा देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने वित्त विधेयक, 2026 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कि देश को विकसित बनाने और 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की अकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि पहले की तरह मजबूरी में सुधार नहीं किए जा रहे हैं, बल्कि संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ सुधार किए जा रहे हैं। लोकसभा की कार्यवाही सरकार ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन के लिए लोकसभा में जो विधेयक पेश किया उसमें विदेशी वित्त पोषित संगठनों पर निगरानी के साथ यह प्रस्ताव किया गया है कि लाइसेंस गंवाने वाली गैर-लाभकारी संस्थाओं की संपत्तियों को जब्त करने और इनका प्रबंधन करने के लिए एक नया प्राधिकरण बनाया जाएगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026ह्ल विधेयक पेश किया। विपक्षी दलों के सांसदों ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को आर्थिक असमानता लाने वाला बताते हुए कहा कि सरकार को और कड़ा तथा मजबूत कानून लाना चाहिए। विधेयक पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक छोटे व्यापारियों, किसानों और बड़ी कंपनियों के बीच भेद पैदा करेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता में संशोधन के लिए लाये गए विधेयक से ह्यह्यरिफॉर्म एक्सप्रेसह्लह्ल को और गति मिलेगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। ठाकुर ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने कंपनियों को खत्म करने के बजाय उन्हें बचाने और आगे बढ़ाने का काम किया है।

क्षेत्रीय रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर साथ में अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी प्रकाश चन्द्र जायसवाल

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में क्षेत्रीय रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 25 मार्च,2026 को महाप्रबन्धक सभाकक्ष,गोरखपुर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर लेखा विभाग की तरफ से सहायक वित्त सलाहकार श्रीमती अंजू मिश्र द्वारा केन्द्रीय सरकार की पेंशन योजनाओं पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गयी। बैठक में प्रमुख विभागाध्यक्ष, तीनों मंडलों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, कारखानों एवं उत्पादन इकाईयों के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्र में प्रख्यात लेखक, साहित्यकार, कवि, कवियित्री हुए हैं, जिन्होंने हिन्दी के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आंकड़ो के मामले में हम लगभग शत-प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं। अब हमारा प्रयास भाषा में शुद्धता एवं उत्कृष्टता होना चाहिये। श्री बोरवणकर ने कहा कि बोलचाल की भाषा में कई शब्द अंग्रेजी के हिन्दी लिपि में लिख दिये जा रहे हैं उनका हिन्दी शब्द ढूंढकर उपयोग में लाया जाय। हमें हिन्दी में मधुर भाषा का उपयोग करना चाहिये। इसके लिये

सभी लोग अच्छे शब्द देखें, पढ़े व लिखें।

महाप्रबन्धक ने कहा कि कवियित्री महादेवी वर्मा की जीवनी पर सुन्दर प्रस्तुति दी गई। 26 मार्च को उनकी जयन्ती है तथा अगले वर्ष उनकी 120वीं जयन्ती है, उसे मनाएं। उनका जन्म फरूखांबाद में हुआ था, जो कि पूर्वोत्तर रेलवे सेवित क्षेत्र है। अच्छा लिखने वाले रेलकर्मियों को प्रोत्साहन दें। अपनी भाषा में शुद्धता लायें। हम हिन्दी क्षेत्र में हैं, हमें अच्छे शब्दों का प्रयोग करना चाहिये। हम संत कबीर जी की कर्मभूमि के करीब हैं, हमें उनके साहित्यों से भी प्रेरित होना चाहिये। प्रतिदिन एक नया शब्द सीखें तथा उसका प्रयोग करें और राजभाषा की प्रगति में अपना योगदान दें। महाप्रबन्धक ने अगली बैठक में प्रस्तुति देने के लिये सिविल इंजीनियरिंग विभाग को नामित किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल ने सभी का स्वागत करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे सरकारी काम-काज में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिये निरन्तर प्रयासरत है। गत 21 जनवरी को राजभाषा हिन्दी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। रेलकर्मी स्वयं हिन्दी में कार्य करें और अपने सहकर्मियों को भी हिन्दी में कार्य करने के प्रति प्रेरित करें, ताकि कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति हो सके। उन्होंने कहा कि इस रेल पर हिन्दी के प्रयोग-प्रसार की स्थिति संतोषजनक है किन्तु अभी भी यदि कुछ कार्य अंग्रेजी में हो रहे हैं तो उसे चिन्हित कर राजभाषा हिन्दी का प्रयोग सुनिश्चित किया जाय। राजभाषा हिन्दी के लिये निर्धारित प्रावधानों को अपने कार्य क्षेत्रों में सजगता से लागू कराने की आवश्यकता है। जन सामान्य की भाषा हिन्दी में सरकारी कामकाज करने से विकास की गति तेज होगी और पारदर्शिता आयेगी। विभागों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सभी मदों में निर्धारित लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया गया है।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री याकूब शेख ने आभार प्रदर्शन करते हुये कहा कि आप सभी कार्यवृत्त के माध्यम से जारी इस बैठक में लिये गये निर्णयों को अपने कार्य क्षेत्र से लागू करायें। वरिष्ठ अनुवादक श्रीमती अनामिका सिंह ने कवियित्री महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी तथा उसके प्रमुख निर्णयों के अनुपालन स्थिति की समीक्षा की गयी। राजभाषा अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता द्वारा कार्यसूची के अनुसार समिति के सदस्यों के विचार एवं सुझाव प्राप्त किये गये तथा बैठक का संचालन किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर की नाटक टीम

गोरखपुर,: आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में 22 से 25 मार्च, 2026 तक आयोजित अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 के अवसर पर 25

मार्च, 2026 को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस नाट्योत्सव में अखिल भारतीय रेल के कुल 20 नाटक दलों ने भाग लिया। पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर की नाटक टीम ने पूर्वोत्तर रेलवे से प्रतिभाग कर नाटक प्रेशर का मंचन किया। इस अवसर पर निदेशक (राजभाषा), रेलवे बोर्ड डॉ. वी. सुगुणा तथा महाप्रबन्धक, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना श्री विवेक खरे ने पूर्वोत्तर रेलवे, मुख्यालय के नाटक को ह्यतृतीय पुरस्कारह्य तथा नाटक प्रेशर में सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री के लिये सुश्री मानसी यादव को पुरस्कार प्रदान किया। पूर्वोत्तर रेलवे के नाटक टीम के दल प्रबन्धक वरिष्ठ अनुवादक नागेश्वर नाथ श्रीवास्तव एवं नाट्य निर्देशक श्री आसिफ जाहिर रहे।

हाईवे और रेलवे परियोजनाओं में आरओबी के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं को डिजिटाइज और तेज करने हेतु PRISM-SG पोर्टल लॉन्च

बुनियादी ढांचा विकास में दक्षता, पारदर्शिता और अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने की दिशा में एक प्रमुख कदम के रूप में, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में PRISM-SG (पोर्टल फॉर रेल-रोड इंस्पेक्शन एंड स्टेजेस मैनेजमेंट - स्टील गर्डर्स) पोर्टल लॉन्च किया। PRISM-SG पोर्टल का विकास सड़क ऊपरी पुलों (आरओबी) के निर्माण से संबंधित प्रमुख अनुमोदन और निरीक्षण प्रक्रियाओं को डिजिटाइज करने के लिए किया गया है, जिसमें क्वालिटी एश्योरेंस प्लान (क्यूएपी), वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देश पत्रक (डब्ल्यूपीएसएस) और स्टील गर्डर्स के निर्माण चरण निरीक्षण को शामिल किया गया है। यह पोर्टल दस्तावेजों की अंत-से-अंत ऑनलाइन जमा, जांच, प्रश्न उठाना और उनका समाधान, अनुमोदन, निरीक्षण शेड्यूलिंग तथा निरीक्षण रिपोर्ट, फोटोग्राफ, परीक्षण परिणामों की अपलोडिंग को सक्षम बनाता है, जो पूर्ण ऑडिट

ट्रेल और वास्तविक समय निगरानी क्षमताओं द्वारा समर्थित है ।वर्तमान में, आरओबी के निर्माण के लिए भारतीय रेलवे से जनरल अरेंजमेंट ड्रॉइंग (जीएडी), संरचनात्मक चित्र, क्वालिटी एश्योरेंस प्लान (क्यूएपी), वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देश पत्रक (डब्ल्यूपीएसएस) और स्टील गर्डर्स के निर्माण चरण निरीक्षण जैसी कई अनुमोदनों की आवश्यकता होती है। जबकि जीएडी और संरचनात्मक चित्रों के अनुमोदन आरआरसीएएस पोर्टल के माध्यम से प्रोसेस किए जाते हैं और क्यूएपी, डब्ल्यूपीएसएस और निर्माण निरीक्षण संबंधी प्रक्रियाएं मुख्य रूप से ऑफलाइन या भौतिक मोड में की जाती हैं। इससे अक्सर विलंब होता है साथ ही हितधारकों के बीच वास्तविक समय ट्रैकिंग और समन्वय सीमित रहता है। नव लॉन्च ढफ्रकळ-रत्रृपोर्टल इन चुनौतियों का समाधान करता है, जो सड़क स्वामित्व विभागों, भारतीय रेलवे, ठेकेदारों, फैब्रिकेटरों और निरीक्षण एजेंसियों सहित सभी प्रमुख हितधारकों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। यह पहल अनुमोदन और निरीक्षण समयसीमा को लगभग 12 महीनों से घटाकर 3 से 4 महीनों तक करने में मदद करेगी, जिससे परियोजना दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार होगा। यह आरओबी और रेलवे पुलों के समय पर पूर्ण होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे देश भर में कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा और बुनियादी ढांचा वितरण में तेजी आएगी।

कहासुनी के दौरान आग-बबूला हुआ था पति लोहे की रॉड से वार कर की पत्नी की हत्या

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में कहासुनी के बाद पति ने लोहे की रॉड वार कर पत्नी की हत्या कर दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। सोनभद्र जिले के बीजपुर थाना क्षेत्र के महुआवारी सिरसोती गांव में मंगलवार रात आपसी विवाद में पति ने लोहे की रॉड से वार कर पत्नी कुसुम जाटव (31) की हत्या कर दी। सिर और पेट में जोरदार प्रहार से लहूलुहान कुसुम ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। क्या है पूरा मामला म्योरपुर थाना क्षेत्र के कुसुमहा निवासी कन्हैया जाटव (34) अपने ससुराल बीजपुर के महुआवारी सिरसोती गांव में रह रहा था। वह एनटीपीसी बीजपुर में एक निजी कंपनी के जरिए कारपेंटर का काम करता है। मंगलवार रात करीब 12 बजे किसी बात को लेकर उसका पत्नी कुसुम जाटव (31) से विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर कन्हैया ने लोहे की रॉड से पत्नी के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने परिजनों की मदद से घायल महिला को एनटीपीसी धन्वंतरी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दंपती को दो बेटे और दो बेटियां हैं। पिपरी सीओ हर्ष पांडेय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

रेलवे आवासों एवं नालों का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

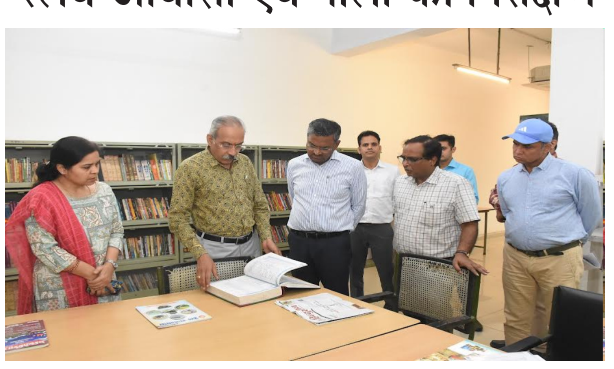

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार, मुख्य इंजीनियर/पी एण्ड डी आर.सी. श्रीवास्तव, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह, सचिव/महाप्रबन्धक श्री आनन्द ऋषि श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ 25 मार्च, 2026 को पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय स्थित राजभाषा विभाग के श्री लाल शुक्ला हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय, केन्द्रीय ग्रंथालय, आवासीय कॉलोनियों के साथ ही ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय में हो रहे नाले के निर्माण का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण के आरम्भ में महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय में राजभाषा अनुभाग में स्थापित श्री लाल शुक्ला हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय, महिला कॉमन रूम, प्रसाधन आदि का निरीक्षण किया तथा इसमें आवश्यक सुधार लाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। इसके पश्चात महाप्रबन्धक ने कार्मिक विभाग के केन्द्रीय ग्रंथालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने केन्द्रीय ग्रंथालय में शीर्षक सूची, लेखक सूची, अध्ययन कक्ष, पत्रिका एवं समाचार अध्ययन कक्ष तथा कार्यालय का निरीक्षण किया एवं पुस्तकालय में रखे विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का अवलोकन किया तथा उन्होंने पुस्तकों के समुचित रखरखाव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये इसे और बेहतर और जन उपयोगी बनाये रखने हेतु सुझाव दिया। महाप्रबन्धक बोरवणकर ने कौवा बाग रेलवे कालोनी में बन रहे रेलवे पार्क का निरीक्षण किया एवं पार्क में लाइट की व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा यहाँ रहने वाले रेल कर्मियों एवं परिवारजनों के बैठने की सुविधा उपलब्ध कराने, लैंडस्केपिंग कराने हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात महाप्रबन्धक ने ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय में ड्रेनेज हेतु बन रहे कवर्ड नाले का निरीक्षण किया तथा इसे मानक के अनुरूप बनाने एवं मानसून को ध्यान में रखते हुये समय से पूरा करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। महाप्रबन्धक ने स्वच्छता को ध्यान में रखते रेलवे चिकित्सालय में स्थित खानपान स्टॉल में सुधार करने एवं एक नये कैंटीन का निर्माण करने हेतु दिशा-निर्देश दिया।

संरक्षा निरीक्षण करते हुये रेल संरक्षा आयुक्त प्रणजीव सक्सेना, साथ में वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के भटनी-औड़िहार रेलखण्ड पर पिवकोल-सलेमपुर-लार रोड (14.51 किमी) रेल खण्ड का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त 25 मार्च,2026 को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने संरक्षा निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण) श्री अभय कुमार गुप्ता,मंडल रेल प्रबंधक (वाराणसी) श्री आशीष जैन सहित मुख्यालय, मंडल तथा रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।रेल संरक्षा आयुक्त श्री प्रणजीव सक्सेना ने लार रोड रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण के अनुरूप इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग,संरक्षा गेयरों के बदलाव,वी.डी.यू स्टेशन पैनल, रिले रूम

के एक्सटेंशन, इंटीग्रेटेड पावर सिस्टम, ऑप्टिकल फाईबर रूम, यार्ड में पड़ने वाले समपार संख्या-15 स्पेशल एवं 14 बी-। के दोहरीकरण के अनुरुप तथा स्टेशन पर मानक के अनुरूप प्लेटफार्मों एवं पैदल उपरिगामी पुल के क्लियरेंस तथा मानक सूची और उपलब्धता के अनुसार यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्वाइंट 104 बी तथा किमी सं-17/4-5 पर माइनर ब्रिज संख्या-24 पर ट्रैक की मानक दूरी एवं ड्रेनेज का निरीक्षण किया तथा लार रोड-सलेमपुर रेल खण्ड का निरीक्षण करते हुए किमी. 16/1 पर समपार सं-12 स्पेशल पर सड़क की लेवलिंग, किमी सं-14/5-6 पर रेल अंडर ब्रिज के प्री कास्ट आर.सी.सी. बॉक्स, किमी सं-12/9 पर समपार सं-10 बी के अपग्रेडेशन, किमी सं-12/2 पर माइनर ब्रिज सं-16 के लेवलिंग, किमी सं-11/2-3 पर समपार सं-9 सी एवं स्विच एक्सटेंशन ज्वाइंट का संरक्षा निरीक्षण किया। श्री सक्सेना ने सलेमपुर स्टेशन पर दोहरीकरण सह विद्युतीकरण के अनुरूप स्टेशन के उपकरणों के बदलाव एवं यात्रियों की सुरक्षा के प्रबंध का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के केंद्रीयकृत वी.डी.यू. पैनल, रिले रूम, पावर सप्लाई रूम तथा सलेमपुर यार्ड में फेसिंग एवं ट्रेलिंग प्वाइंट, स्टेशन तथा यार्ड में पड़ने वाले समपार संख्या 8/सी पर निमार्णाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का संरक्षा निरीक्षण किया। इसके उपरान्त रेल संरक्षा आयुक्त सलेमपुर-पिवकोल ब्लाक सेक्शन का निरीक्षण करते हुए इस खण्ड में पड़ने वाले माइनर ब्रिजों के फाउंडेशन, (कास्ट आयरन एवं आर.सी.सी.) पाइप तथा कुशनिंग की जाँच करते हुए किमी सं-6/3-4 पर माइनर ब्रिज सं-08 के पुनर्निर्माण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इस रेल खण्ड पर रेल पथ बैलास्ट प्रोफाइल, ओवर हेड ट्रेक्शन लाइन एवं मास्ट की मानक स्थिति तथा मार्ग में पड़ने वाले पुलों, समपार फाटकों, अण्डर पासों आदि का संरक्षा निरीक्षण किया। पिवकोल रेलवे स्टेशन पर रेल संरक्षा आयुक्त ने यार्ड रिमाडलिंग के कार्यों के साथ वी.डी.यू. पैनल, रिले रूम तथा सलेमपुर इंड पर संरक्षा गेयरों के बदलाव आदि का निरीक्षण किया और विस्तृत जानकारी ली।

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा देने स्कूल गईं दो सगी बहनें लापता

दुबौलिया। दुबौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दो सगी बहनें स्कूल से आते समय लापता हो गईं। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव की दो सगी बहनें जो की पास के ही विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा हैं। मंगलवार की सुबह स्कूल में परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। स्कूल में दोपहर छुट्टी होने के बाद देर शाम घर नहीं पहुंची तो परिजन खोजबीन में जुटे। लेकिन देर शाम तक दोनों बहनों का कुछ पता नहीं चल सका। थानाध्यक्ष दुबौलिया जीवन त्रिपाठी ने बताया की घटना की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में दोनों किशोरियों राम-जानकी मार्ग कलवारी की तरफ जाती हुई दिखी हैं। परिजन की ओर से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

युवती से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

बस्ती। न्यायालय एसपीएल जज एससी/एसटी के न्यायाधीश कमलेश कुमार की अदालत ने दलित लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी अभय पांडेय उर्फ करिया निवासी बड़हर कला, थाना हरैया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न देने पर चार महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। एडीजीसी हयात मोहम्मद ने अदालत को बताया कि वादी की 20 साल की लड़की 31 अक्तूबर 2022 को समय लगभग चार से पांच बजे के गांव के एक इंटर कॉलेज के पीछे नहर के पास भैंस चरा रही थी। तभी एक अज्ञात व्यक्ति बाइक से आकर बेटी का दोनों हाथ पकड़ लिया और उसके साथ दुष्कर्म करके बाइक से भाग गया। तहरीर के आधार पर एफआईआरदर्ज हुआ। दौरान विवेचना आरोपी का नाम प्रकाश में आया है। सबूतों के आधार पर विवेचक ने न्यायालय में आरोप पत्र भी दाखिल किया। न्यायाधीश ने मेडिकल रिपोर्ट और बयान के आधार पर आरोपी अभय को दोषी ठहराया।

बजट के सापेक्ष व्यय की समीक्षा में अधिकारियों ने दिया हिसाब

बस्ती। यूपी विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति की समीक्षा बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। अध्यक्षता वित्तीय विलंब समिति के अध्यक्ष डॉ. रतनपाल सिंह ने की। बैठक में बस्ती और संतकबीरनगर मंडल में स्वीकृत बजट के सापेक्ष व्यय की समीक्षा हुई। अधिकारियों ने विभागवार अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंपी। विभागवार बजट आवंटन एवं व्यय की स्थिति की प्रगति रिपोर्ट पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। किसी-किसी में बजट खर्च कम पाया गया, जिसमें शत-प्रतिशत व्यय 31 मार्च से पहले करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों की ओर से दिसंबर 2025 तक स्वीकृति बजट के सापेक्ष व्यय धनराशि व विभागवार संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने समिति को अवगत कराया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कितनी धनराशि आवंटित की गई, उसके सापेक्ष कितना व्यय किया गया तथा किन-किन कार्यों को धरातल पर पूर्ण कराया गया, इसकी जानकारी ली। समिति अध्यक्ष डॉ. रतनपाल सिंह, समिति के सदस्य विधान परिषद विजय बहादुर पाठक, हरि प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव एवं समिति अधिकारी सर्वेश चंद्र गुप्ता, निजी सचिव सभापति मनोज कुमार, समीक्षा अधिकारी अभय सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

चार केंद्रों पर जांची गई 50,345 कॉपियां

बस्ती। जिले के चार केंद्रों पर चल रहे यूपी बोर्ड की कॉपियों के मूल्यांकन कार्य में उतार-चढ़ाव जारी है। मंगलवार को जांच की गति कम रही। चारों केंद्रों पर कुल 50,345 कॉपियों की जांच की गई। इसमें हाईस्कूल की 25,975 और इंटरमीडिएट की 24,370 कॉपियां शामिल हैं। बता दें कि परीक्षकों की संख्या शत-प्रतिशत नहीं हो पा रही है। जीजीआईसी में 455 में 257, सक्सेरिया में 790 में 403, केडीसी में 414 में 208 और पांडेय इंटर कॉलेज में 719 में 390 परीक्षक ही पहुंचे। हाईस्कूल में जीआरएस इंटर कॉलेज में 14,401 कॉपियां जांची गई हैं, यहां अभी तक कुल 73,487 कॉपियों की जांच की जा चुकी है और कुल 71,969 कॉपियां जांचने के लिए शेष बची हुई हैं। श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज में 11,574 कॉपियां जांची गई हैं। यहां अब तक कुल 60,469 कॉपियां जांची जा चुकी हैं और शेष 82,811 कॉपियां जांचने के लिए बची हुई हैं। वहीं जीजीआईसी में इंटरमीडिएट की 12,117 कॉपियां जांची गईं, यहां अब तक 47,360 कॉपियों की जांच की जा चुकी है और 63,275 कॉपियां जांचने के लिए शेष बची हैं। शिवहर्ष किसान इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की 12,253 कॉपियां जांची गईं, यहां अभी तक कुल 55,909 कॉपियों की जांची जा चुकी है और 64,627 कॉपियां जांचने के लिए बची हैं। डीआईओएस संजय सिंह ने बताया कि मूल्यांकन कार्य शांतिपूर्वक चल रहा है।

दहेज उत्पीड़न के मामले पति समेत सात नामजद

बस्ती। दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने के आरोप में परशुरामपुर पुलिस ने पति समेत सात ससुरालियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। विवाहिता ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी शादी इसी थाना क्षेत्र के टिकरिया निवासी सुरजीत के साथ हुई है। आरोप है कि शादी के बाद ससुराल में कम दहेज लाने की बात को लेकर ससुरालियों ने ताना मारा और उत्पीड़न किया। साथ ही एक राय होकर उन्हें मारापीटा। अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष विश्वमोहन राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पति सुरजीत, ससुर बाबूराम, सास प्रभावती, जेठ रामजनक, देवर अमरजीत, इन्द्रजीत और ननद पूनम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मनमाना टोल वसूली पर आंदोलन की दी चेतावनी

बस्ती। जिले के टोल प्लाजा से मनमानी वसूली के खिलाफ अब ट्रक संचालकों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। मंगलवार को ट्रक एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक एडीएम की अध्यक्षता में हुई, लेकिन इस बैठक में भी समस्या का ठोस समाधान नहीं निकल सका। बैठक में टोल प्लाजा मैनेजर, एएसपी, सीओ सिटी और यातायात निरीक्षक मौजूद रहे, बावजूद इसके ट्रक संचालकों का आक्रोश कम होता नहीं दिखा। बैठक में आखिरकार जो निर्णय निकला, वह भी ट्रक संचालकों को पूरी तरह संतुष्ट नहीं कर सका। एडीएम की बैठक में सिर्फ इतना तय हुआ कि मड़वानगर टोल प्लाजा पर ट्रकों से आधा टोल शुल्क लिया जाएगा। एसोसिएशन का कहना है कि यह जख्म पर मरहम नहीं, बल्कि औपचारिकता भर है। बैठक के दौरान ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि जिले में टोल प्लाजा के नाम पर खुली लूट हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वाहन स्वामियों से नियमों के खिलाफ जबरन वसूली की जा रही है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने बैठक में सवाल उठाया कि आखिर एक ही जिले में दो-दो टोल वसूली कैसे जायज हो सकती है। राजकुमार सिंह ने कहा कि महज 30 किलोमीटर के अंदर दो टोल प्लाजा स्थापित कर दिए गए हैं, जो कि पूरी तरह नियमों के विपरीत है। इससे ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों पर दोहरा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारे

लखनऊ,24 मार्च 2026 (यूएनएस)। ईरान इजराइल अमेरिका के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है और देश में एलपीजी गैस का संकट जारी है, जिससे निपटने के लिए सरकार लगातार नए नियम ला रही है। इसी बीच उत्तर प्रदेश में डीजल-पेट्रोल की कमी को लेकर अफवाह फैलाने की घटना से लोगा की भीड़ पेट्रोल पंपों जमा हो गई। जिससे लोगा अपपी बाइक को लेकर टंकी फुल कराने की कोशिस कर रहे हैं। वहीं अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में पेट्रोल- डीजल की कोई भी कमी नहीं है। घबराने की बजाय संयम बरतने की अपील की है। अम्बेडकरनगर में डीजल और पेट्रोल की किल्लत की अफवाहों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए लोगों से घबराने की बजाय संयम बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने प्रेसवार्ता कर बताया कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। प्रेसवार्ता के दौरान डीएम ने कहा कि जिले में डीजल की उपलब्धता सामान्य खपत से करीब ढाई गुना अधिक है, जबकि पेट्रोल का स्टॉक भी लगभग दो गुना मौजूद है।

रेलवे प्लेटफार्म चार के बाहर बना रेड लाइट एरिया
देह व्यापार के लिए खड़ी महिलाएं पुलिस को देख भागी

■ **गेस्ट हाउस और होटलों में दबिश के दौरान मिली आपत्तिजनक सामग्री**

■ ग्वालियर

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-4 के बाहर लक्ष्मणपुरा कलारी के पास संदिग्ध गतिविधियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने मंगलवार को अचानक सख्त कार्रवाई की। एएसपी अनु बेनीवाल के नेतृत्व में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया।

पुलिस के पहुंचते ही फुटपाथ पर खड़ी महिलाएं भाग खड़ी हुईं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। एक युवती को रोककर पूछताछ की गई, लेकिन उसने किसी भी अनैतिक गतिविधि में शामिल होने से इंकार किया।

इसके बाद पुलिस टीम ने आसपास स्थित गेस्ट हाउस, लॉज और होटलों में तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान किसी महिला के मौजूद होने की पुष्टि नहीं हुई, हालांकि कुछ स्थानों से

आपत्तिजनक सामग्री जरूर बरामद हुई। पुलिस ने होटल संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पूरी जानकारी रजिस्टर में दर्ज करें। कार्रवाई के दौरान लक्ष्मणपुरा और आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। बताया गया है कि पूर्व में जीआरपी द्वारा भी इस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत पड़ाव थाना पुलिस से की गई थी।

अवैध शराब जब्त

चेकिंग के दौरान पुलिस ने लक्ष्मणपुरा कलारी के पास एक गुमठी से अवैध शराब बरामद की। पुलिस ने शराब जब्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। साथ ही सड़क किनारे शराब पीने वालों को कड़ी फटकार लगाई।

इनका कहना है

आने वाले समय में होटलों और गेस्ट हाउसों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी। तलाशी के दौरान किसी भी स्थान से कोई महिला नहीं मिली है। एक युवती ने पुलिस को देखकर दौड़ लगा दी थी।

अनु बेनीवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर मध्य

योगगुरु स्वामी जीतानंद ने बनाया 12 वां विश्व रिकॉर्ड

ग्वालियर, । भिंड के छोटे से गांव अकोड़ा से निकले प्रसिद्ध योग गुरु स्वामी जीतानंद ने 68 वर्ष की आयु में बारहवां विश्व रिकॉर्ड हासिल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 12वां रिकॉर्ड विपरीत पाद उद्यान अति विशिष्ट योनि मुद्रा आसन निर्धारित समय तक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया। इसे इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड से मान्यता है। इस उपलब्धि पर स्वामी जी ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक से मुलाकात कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। इसके पहले उन्हें ग्रेट इंडियन पार्लियामेंट अवार्ड के साथ कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 24 वर्ष से योग की कक्षाएं एवं प्रशिक्षण शिविर लगा रहे हैं। उनके शिविर से प्रशिक्षित शिष्य विदेश में जाकर इसका प्रचार कर रहे हैं। उनके द्वारा प्रदर्शित 100 प्रकार के विशेष कठिन आसन लगाना हर किसी के वश की बात नहीं है। विशेष आहार और नियंत्रित जीवन शैली से यह संभव हो सका है। उनका संकल्प सौ विश्व रिकॉर्ड बनाने का है।

दो महीने में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए अब लिंक खोलने को लेकर हंगामा, धरना

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोलने को लेकर कुछ छात्रों ने हंगामा कर दिया। इनका नेतृत्व एनएसयूआई के पदाधिकारी कर रहे थे। दोपहर में इन्होंने कुलसचिव और कुलपति कार्यालय पर धरना दिया, शाम को यह छात्र कुलगुरु के निवास पर धरना देने पहुंच गए। विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना था कि परीक्षा शुरू होने में दो दिन बचे हैं, ऐसे में परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोलने से अव्यवस्था हो सकती है। उल्लेखनीय है कि दो माह से परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है। एनएसयूआइ के जेयू अध्यक्ष पारस यादव के नेतृत्व में छात्रों ने कुलसचिव से मुलाकात कर परीक्षा फार्म भरने के लिए लिंक खोलने की मांग रखी। इस पर कुलसचिव ने परीक्षाएं 26 मार्च से शुरू होने का हवाला देते हुए लिंक खोलने से इंकार कर दिया। इससे नाराज छात्र नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया। पारस यादव ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने आनन-फानन में कुछ परीक्षा केंद्र बदल दिए हैं, जिससे मुरैना जिले के निजी कॉलेजों को फायदा पहुंचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन कॉलेजों के केंद्र सरकारी स्कूलों में बनाए गए हैं, वहां नकल की आशंका बढ़ जाती है। मांगों पर सुनवाई न होने पर छात्र नेता पहले कुलसचिव कार्यालय और फिर कुलगुरु निवास के सामने धरने पर बैठ गए। रात लगभग 9:30 बजे छात्रों ने कुलसचिव राजीव मिश्रा ने छात्रों से ज्ञापन लेकर नियमानुसार विचार करने का आश्वासन दिया तब वह धरने से उठे।

मजिस्ट्रेट चेकिंग में नहीं चला रुतबा, नेताओं के वाहनों पर भी चालान

72 वाहनों से 1.12 लाख जुर्माना वसूला

■ ग्वालियर

यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले विधायक प्रतिनिधि कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद का न्यायिक मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में रुतबा नहीं चला और उनके वाहनों को जुर्माना वसूलने के बाद ही छोड़ा गया। चेकिंग अभियान में कार, दो पहिया वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।

मंगलवार शाम के समय गोविंदपुरी चौराहा पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत पाण्डेय के आदेश पर विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस ने चेकिंग के दौरान विधायक प्रतिनिधि विधानसभा करैरा शिवपुरी और पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद झुण्डपुरा मुरैना की कारों को रोक लिया। इसके अलावा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण प्रभूदयाल जौहरे की भी कार को रोक लिया। हालांकि उक्त सभी लोगों ने अपने रुतबे का प्रयोग करने का प्रयास किया, लेकिन उनकी एक नहीं चली और मजिस्ट्रेट चेकिंग देख जुर्माना देकर अपनी गाड़ी लेकर मौके से रवाना हुए। पुलिस ने कारों पर लगे दस हूटर हटाए तो वहीं दस कारों से काली फिल्म उतारी गई। इसी तरह 8 मोटर साइकिलों से मॉडीफाइड साइलेंसरों को भी निकाला गया। चेकिंग के दौरान 72 वाहनों से एक लाख 12 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। चेकिंग में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सक्षम नरुला, भूपेन्द्र सिंह कुशवाह, विशाल जेठवा और मानसी बालूजा के मार्गदर्शन में चली। इस मौके पर गोला का मंदिर थाना प्रभारी यातायात अभिषेक रघुवंशी थाटीपुर थाना स्टाफ सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

निगम के इंजीनियर की निकाली हेकड़ी

नगर निगम के इंजीनियर सुरेश अहिरवार अपनी कार पर हूटर लगाकर जा रहे थे। पुलिस ने चेकिंग में जब उनकी कार को रोका और गैर कानूनी ढंग से हूटर लगाने के बारे में पूछा तो वह अपना रुतबा दिखाने का प्रयास करने लगे, लेकिन मजिस्ट्रेट चेकिंग में एक नहीं चली। हूटर निकालने के साथ गाड़ी का चालान भी किया गया।

बैंक के ड्रॉप बॉक्स से चेक चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

■ ग्वालियर

पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से अकाउंट-पे चेक चोरी कर रकम निकालने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को पुलिस ने हरियाणा की जेल से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी को प्रोटेक्शन वारंट पर लाकर फर्जीबाड़े के बारे में पूछताछ कर रही है।

नदी गेट सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय की प्राचार्या कल्पना सिकरवार ने अपने विद्यालय के कर्मचारी को एक लाख रुपए का चेक अचलेश्वर मंदिर के पास पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में 18 नवम्बर को अंकाउट-पे चेक जमा करने के लिए भेजा था। बैंक के ड्रॉप बॉक्स से चेक चोरी हो गया था। बाद में शातिर ठगों ने चेक के माध्यम से नकदी भी निकाल ली थी। उक्त मामले में पुलिस ने 4 फरवरी 2026 को अमृतसर निवासी रजनीश चौहान को गिरफ्तार किया था। रजनीश ही बैंक में चेक लगाकर नकद राशि निकालने गया था। पुलिस गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश कर रही थी। पुलिस को चेक का भुगतान करने वाली बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा पहुंची और जब पड़ताल की तो खाते से रुपए निकालने वाले का आधार कार्ड का नम्बर मिल गया। बैंक ऑफ बड़ौदा से 50 हजार रुपए से ज्यादा निकालने पर आधार कार्ड का नम्बर अंकित किया गया था। रजनीश के बारे में पता चलने पर उसने सुनील रंधावा का नाम बताया। पुलिस लम्बे समय से सुनील की तलाश कर रही थी। पुलिस अमृतसर पहुंची और जब सुनील के बारे में पता चला कि वह इस समय हरियाणा की कैथल जेल में बंद है तो उसे जेल से प्रोटेक्शन वारंट पर ग्वालियर लाया गया। पकड़े गए मास्टर माइंड सुनील से अपराध शाखा की टीम बैंक से चेक चोरी करने की और घटनाओं के बारे में पूछताछ कर रही है।

रजनीश व सुनील साथ आए थे शहर

अमृतसर से सुनील रंधावा और रजनीश चौहान 18 नवम्बर को साथ आए थे। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से चेक चोरी किया और चेक पर बनी अकाउंट-पे की लाइन मिटा दिया था। दोनों शातिर हैं लाइन को मिटाने के बाद ही चेक का भुगतान करा लेते थे।

136वां अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन भोपाल में होगा

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के तत्वावधान में 136वां अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 5 अप्रैल को भोपाल स्थित मानस भवन में किया जाएगा। सम्मेलन में भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, देवास, खरगोन, शिवपुरी, गुना, सतना, पन्ना, रतलाम के अग्रबन्धु अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए इस सम्मेलन में शामिल होंगे। अब तक लगभग 350 परिवार अपने बच्चों का पंजीयन करा चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि यह सम्मेलन समाज के युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने जीवनसाथी का चयन कर सकेंगे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर लोगों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में पूनम अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, साधना गोयल, प्रीति बिंदल, मुकेश सिंघल आदि उपस्थित रहे।

मुरार जिला अस्पताल में पहली बार ऑर्थ्रोस्कोपिक एसीएल सर्जरी सफल

■ ग्वालियर

जिला अस्पताल मुरार में पहली बार ऑर्थ्रोस्कोपिक तकनीक से एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) पुनर्निर्माण सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की है। अब तक इस प्रकार की जटिल सर्जरी केवल बड़े निजी अस्पतालों तक ही सीमित थी, लेकिन अब यह सुविधा सरकारी अस्पताल में भी उपलब्ध हो गई है।

इस जटिल सर्जरी को ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों की एक कुशल टीम ने अंजाम दिया। टीम में डॉ. यश शर्मा और डॉ. राहुल अर्गल (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ. श्रद्धा गोस्वामी एवं डॉ. श्रास्ति वर्मा (एनेस्थीसियोलॉजिस्ट) शामिल रहीं। पूरी प्रक्रिया वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. विपिन गोस्वामी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरी की गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार ऑर्थ्रोस्कोपिक तकनीक के माध्यम से की गई यह सर्जरी आधुनिक और कम इनवेसिव (कम चीरे वाली) प्रक्रिया है, जिसमें मरीज को पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कम दर्द और जल्दी रिकवरी मिलती है। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है। इस उपलब्धि में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव और सिविल सर्जन डॉ. राजेश कुमार शर्मा का विशेष मार्गदर्शन और सहयोग रहा। अस्पताल प्रशासन ने पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और भी उन्नत सर्जरी शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सुविधा के शुरू होने से अब क्षेत्र के मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों या निजी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

ऑर्थ्रोस्कोपिक एसीएल सर्जरी के फायदे: छोटे चीरे के साथ सर्जरी, जिससे निशान कम रहता है। पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कम दर्द, संक्रमण का खतरा कम और मरीज जल्दी चलने-फिरने लगता है। मरीज अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहना पड़ता है।

आदर्श गौशाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा संचालित लाल टिपारा स्थित आदर्श गौशाला को गौ सेवा और संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित गौ टेक 2026 काऊ बेस्ड ग्लोबल समिट एंड एक्सपो में इस गौशाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान श्री कृष्णायन देशी गौरक्षा शाला के संत स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज को समर्पित किया गया। चूंकि स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज वर्तमान में ऋषिकेश में नवरात्रि के दौरान जलहारी व्रत में हैं, इसलिए उनके प्रतिनिधि के रूप में हर्ष श्रीवास्तव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। पुरस्कार पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष वल्लभभाई कथीरिया और महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष शेखर मुंडाला द्वारा प्रदान किया गया। आदर्श गौशाला का संचालन नगर निगम द्वारा स्वामी ऋषभ देवानन्द महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में ग्वालियर नगर निगम एकमात्र ऐसा निकाय है, जो पिछले लगभग 15 वर्षों से गौशाला का संचालन कर रहा है। यहां गायों की देखभाल, संरक्षण और प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जो इसे अन्य गौशालाओं से अलग पहचान दिलाती हैं।

रेलवे पुलिस की तत्परताः बीमार यात्री को बचाया, बिछड़ा परिवार मिलाया

■ ग्वालियर

रेलवे सुरक्षा बल एवं जीआरपी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के तहत यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के तीन अलग-अलग मामलों में सराहनीय कार्य सामने आए हैं। ऑपरेशन सेवा, ऑपरेशन डिग्निटी और ऑपरेशन अमानत के तहत समय पर कार्रवाई कर न केवल यात्रियों की मदद की गई, बल्कि उनकी जान और सामान की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई।

गाड़ी संख्या 19054 में सफर कर रहे एक यात्री लाल यादव (58) की अचानक तबियत बिगड़ गई। झांसी कंट्रोल से सूचना मिलने पर उप निरीक्षक रविंद्र सिंह राजावत और प्रधान आरक्षक केडी यादव ने तुरंत कोच बी-5, सीट 44 पर पहुंचकर यात्री को अटेंड किया। यात्री ने बताया कि आगरा

पार करने के बाद उसका शुगर और बीपी बढ़ गया, जिससे वह बेहोश हो गया। उसे तत्काल एंबुलेंस से भगत सहाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार कर ग्लूकोज चढ़ाया। हालत में सुधार होने पर यात्री को वापस स्टेशन लाया गया।

मंगलवार को को ट्रेन नंबर 12646 में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बच्ची के छूटने की सूचना मिली। प्रधान आरक्षक केडी यादव और महिला आरक्षक भावना ने उन्हें सुरक्षित उतारकर पोस्ट लाया। महिला मिथिलेश (33) ने बताया कि वह गलती से गलत ट्रेन में चढ़ गई थी और उसके पति आगरा स्टेशन पर ही रह गए। दोपहर में पति नौवत सिंह के पहुंचने पर आवश्यक जांच के बाद दोनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। इसी दिन ट्रेन संख्या 12269 चेन्नई दुरंतो एक्सप्रेस में छूटा एक लेडीज पर्स भी सुरक्षित लौटाया गया। आरक्षक शिवशंकर सिंह ने ए-2 कोच से पर्स बरामद कर पोस्ट पर जमा किया। बाद में यात्री के प्रतिनिधि को सत्यापन के बाद पर्स सौंपा गया, जिसमें सोने के टॉप्स, 11,500 रुपए नकद सहित करीब 95 हजार रुपए का सामान था।

मनोबल सत्र-2026 का समापन
विद्यार्थियों को मिला तनावमुक्त परीक्षा का मंत्र

■ ग्वालियर

प्रबंध अध्ययनशाला में मनोबल सत्र-2026 के समापन अवसर पर परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन विषय पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को परीक्षा के समय तनाव से निपटने के प्रभावी उपाय बताए गए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बीएसएसएस महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विनय मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तनाव सोचने से नहीं, बल्कि एक्शन लेने से कम होता है। उन्होंने बताया कि तनाव की एक सीमा तक रहने पर प्रदर्शन बेहतर होता है, लेकिन सीमा से अधिक होने पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग से बचते हुए छोटे-छोटे एक्शन लेने चाहिए।

डॉ. मिश्रा ने पढ़ाई के दौरान नियमित अंतराल पर 5 मिनट का ब्रेक लेने, अध्ययन सामग्री को हाईलाइट करके पढ़ने और स्मार्ट स्टडी तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सही रणनीति के साथ पढ़ाई करने से तनाव स्वतः कम हो जाता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा जीवन का अंतिम निर्धारक नहीं होती है। तनाव से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें, परिणाम निश्चित रूप से सकारात्मक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की चिंता या परेशानी होने पर उसे अपने मित्रों या परिवारजनों के साथ साझा करना चाहिए। निरंतर सीखते रहना ही जीवन में आगे बढ़ने का मूल मंत्र है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ.साधना श्रीवास्तव,डॉ.सुनीषा कुलकर्णी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कांग्रेस टैलेंट हंट में साक्षात्कार

ग्वालियर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त टैलेंट हंट पैनल के समक्ष मंगलवार को ग्वालियर-चंबल संभाग से युवा दावेदारों ने साक्षात्कार में भाग लिया। इस अवसर पर विधायक हेमंत कटारे, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल यादव, अपूर्व भारद्वाज, राकेश अचल, राकेश अग्रवाल सहित पैनल के सदस्यों ने दावेदारों से सवाल किए। उनके बायोडाटा का परीक्षण कर पृथक-पृथक चर्चा कर उनकी राजनीतिक समझ, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता और जनसरोकारों पर दृष्टिकोण को परखा। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव एवं प्रदेश सचिव राहुल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के खिलाफ निकाली रैली, दिया ज्ञापन

■ ग्वालियर

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में पदस्थ प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जुलाई-अगस्त में प्रस्तावित शिक्षक पात्रता का विरोध शिक्षक संगठनों द्वारा किया जा रहा है। इसको लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस द्वारा एक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधीश प्रतिनिधि अनिल राघव को सौंपा। रैली में 500 से ज्यादा शिक्षक मौजूद थे। ज्ञापन प्रदेश महामंत्री मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस राजीव पाठक तथा जिलाध्यक्ष कमल लोधी के नेतृत्व में दिया गया। शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों का कहना था कि जिस समय शिक्षक नौकरी में आए थे उस

समय जो नियम थे उनके अनुसार नियुक्ति दी गई थी, अब जब वह नौकरी के आखिरी समय में हैं तब उनकी परीक्षा ली जा रही है। यह न्यायसंगत नहीं है। ऐसे शिक्षकों के पास पढ़ाने का तरीका है, लंबा अनुभव है, लेकिन फिर भी वह इस परीक्षा को देने के लिए सहमत नहीं हैं। जिस समय शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया गया, उसके बाद के शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा न्याय संगत है, लेकिन इससे पहले के शिक्षकों के लिए यह न्यायसंगत नहीं है। ज्ञापन देने वालों में वंदना कुशवाहा, संदीप शर्मा, वीरेंद्र पटसारिया, चंद्रेश पचौरी, वीरेंद्र यादव, सुनील ढोडी आदि मौजूद थे।

संपादकीय

इधर-उधर की बात न कर

और कुछ भी हो, यह विश्वगुरु का प्रधानमंत्री तो नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का डंका बजाने वाला या कम से कम ऐसा गुरूर रखने वाला वाला शख्स भी नहीं था। सच कहें तो यह राजनेता ही नहीं था। और न ही रंगमंच पर डायलॉग बोलता अभिनेता। अगर आपने पश्चिम एशिया के संकट पर संसद में प्रधानमंत्री का बयान सुना हो तो आप उस शख्स को पहचान नहीं पाएंगे, जिसे आपने पिछले 11 बरस में न जाने किस-किस मंच से सुना होगा। हुंकार, ललकार, फुंकार-सब गायब था। बस सरकार की बोझिल भाषा थी। बुझा हुआ चेहरा था। फीकी आंखें थीं। लिखे हुए भाषण को शब्दश पढने की चिंता थी, कहीं कोई शब्द इधर से उधर न हो जाए, कहीं वॉशिंगटन से फोन न आ जाए। न कोई जुमले, न कोई ताली पिटाऊ डायलॉग, न कोई चुटकी। मेज थपथपाने वाले भी बीच बीच में एक थपकी देकर रस्म अदायगी कर रहे थे। इस भाषण को आप एक मैनेजर की रिपोर्ट कह सकते हैं, या फिर मुनीम की बही अथवा रंगमंच से किनारे कर दिए गए अभिनेता का नेपथ्य में दिया एकालाप। यह एक नेता का संबोधन नहीं था। होता भी कैसे। पश्चिम एशिया के नवीनतम प्रकरण ने प्रधानमंत्री को कुछ कहने लायक नहीं छोड़ा। अमरीका की तमाम लल्लो-चप्पो के बावजूद ट्रम्प मोदी जी को घास डालने को तैयार नहीं हैं। ट्रेड डील पर घुटने टेकने के बाद भी ऊपर से भारत के खिलाफ जांच शुरू करवा दी है। सुनते हैं अमरीका ने ईरान से मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान को चुना है, भारत का कहीं कोई नाम नहीं है। युद्ध से 2 दिन पहले गले में इसराईली मैडल बंधवाने के बावजूद इसराईल की तरफ से मोदी जी का कहीं कोई नाम नहीं है। भारत में इसराईल को झप्पी मारने को आतुर जमात भले ही खड़ी कर दी गई हो, इसराईल में भारत प्रेम की कोई लहर नहीं है। नए दोस्त बने नहीं, पुराने जरूर छूट गए। दशकों तक भारत को अपने दोस्तों में गिनने वाला ईरान अब भारत को अपने प्रतिद्वंद्वी खेमे में गिनता है। दोष ईरान का नहीं है। संसद में अपने बयान में प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए ईरान को निशाने पर लिया-व्यावसायिक जहाजों और ऊर्जा स्त्रोतों को निशाना बनाने पर चिंता जताई। लेकिन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष एक शब्द भी अमरीका और इसराईल द्वारा किए बेवजह और गैर कानूनी हमले पर नहीं बोला। जाहिर है होर्मुज खाड़ी में जिन देशों को जहाज निकालने की अनुमति है, उनमें भारत का नाम नहीं है। सुनते हैं जब मोदी जी ने ईरान के राष्ट्रपति को इस बाबत फोन किया तो उन्होंने संकट की इस घड़ी में भारत सरकार द्वारा किए बर्ताव की सूची गिनवा दी। रूस भी अब रूसा हुआ दिख रहा है। पहले भारत सरकार ने ट्रम्प के आदेश पर रूस का तेल खरीदना बंद कर दिया। खाड़ी संकट आने पर फिर रूस की याद आई तो अब रूस ने मुंह फेर लिया। कहा अब दोस्त वाला रेट नहीं लगेगा, बाजार का प्रीमियम वाला रेट देना पड़ेगा। कोई 70 साल पुरानी दोस्ती में गांठ पड़ गई। युद्ध के मैदान के बाहर अंतर्राष्ट्रीय मंच को देखें तो वहां भी भारत कहीं नजर नहीं आता। जब पूरी दुनिया किसी संकट से जूझ रही हो, उस वक्त विश्वपटल पर नेतृत्व की जरूरत होती है, सच्चे नेता की पहचान होती है। जब स्वेज नहर के मुद्दे पर ब्रिटेन और फ्रांस ने मिस्त्र पर हमला किया था, तब एक आध्थिक और सामरिक तौर पर कमजोर भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने खुलकर मिस्त्र के समर्थन में जुबान खोलने की हिम्मत दिखाई थी, साम्राज्यवादी ताकतों की गुंडागर्दी के खिलाफ भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर जनमत खड़ा किया था। तब नेहरू की पहचान विश्वपटल पर एक नेता के रूप में बनी थी, भारत का सिर ऊंचा हुआ था। आज दुनिया वह सच सुनने के लिए स्पेन के प्रधानमंत्री के बयान सुनती है, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की ओर देखती है, श्रीलंका के प्रधानमंत्री की सराहना करती है। भारत की तरफ कोई नहीं देख रहा। विश्वगुरु और दुनिया में डंका बजने जैसे चुटकुले पर अब हंसने का मन भी नहीं करता। जब बोलना जरूरी हो और कहने को कुछ न हो तो इधर-उधर की बात करनी पड़ती है। प्रधानमंत्री की भी यही मजबूरी थी। मानवता के हित की अमूर्त बात, युद्ध शुरू करने वालों का नाम लिए बिना शांति की वकालत, सभी पक्षों से तनाव कम करने का खोखला आग्रह। दुनिया के संकट में अपनी संवेदनशीलता और सतर्कता के छोटे दावे, मानो भारत की डूबचता का दायरा अब केवल खाड़ी में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और तेल की उपलब्धि तक सीमित रह गया है। उसका ब्यौरा देने में भी सच से किफायत की-यह तो बताया कि भारत के पास तेल का कितना रिजर्व है लेकिन यह नहीं बताया कि यह सिर्फ एक हफ्ते लायक है। यह नहीं बताया कि चीन ने 3 महीने का रिजर्व बनाया और हमने तीन हफ्ते का भी नहीं। तेल में एथनॉल डालने का श्रेय तो लिया लेकिन यह नहीं बताया कि पिछले 10 वर्ष में देश में तेल खोजने वाली कंपनी ओ.एन.जी.सी. का भट्ठा किसने बैठाया।जब पूरी दुनिया के सामने बड़ा संकट तो और एक नेता देश की सर्वोच्च पंचायत में अपने छोटे फायदे के छोटे ब्यौरे पेश करे तो उससे सिर्फ उसका कद छोटा नहीं होता।

कब किसान गर्व से कहेगा, मेरी संतान भी किसान बने

देश में खेती-किसानी के सामने सबसे बड़ा मौन संकट यही है कि किसानों की नई पीढ़ी की गांव, खेत-खलिहान से जुड़ी जड़ें लगातार कमजोर पड़ रही हैं। कड़ी मेहनत के बावजूद खेती उनके लिए घाटे का सौदा है। ऐसे में शहरों या विदेशों में नौकरी के लिए जाना उन्हें ज्यादा सही लगता है। नतीजा यह है कि गांवों में ज्यादातर बुजुर्ग किसान बचे हैं, जो अपनी जड़ों (खेतों) से जुड़े रहना चाहते हैं। देश की करीब 46 प्रतिशत आबादी आज भी खेती पर निर्भर है, जबकि देश की जी.डी.पी. में 16 प्रतिशत योगदान खेती का है। यह अंतर साफ बताता है कि खेती का दायरा बड़ा है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में उसकी घटती हिस्सेदारी एक बड़ी चुनौती है। यहां आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस यानी ए.आई. एक बड़े बदलाव की राह खोल सकता है। यह सिर्फ एक नई टैक्नोलॉजी नहीं, बल्कि खेती को पूरी तरह बदल देने वाली ताकत बन सकता है।

एक डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, अफसर या कारोबारी अक्सर यही चाहते हैं कि उनकी अगली पीढ़ी उन्हीं के पेशे को आगे बढ़ाए। लेकिन इस मामले में किसान एक अपवाद है। बहुत कम किसान चाहते हैं कि उनकी संतान भी खेती करे। देश में खेती-किसानी के सामने सबसे बड़ा मौन संकट यही है कि किसानों की नई पीढ़ी की गांव, खेत-खलिहान से जुड़ी जड़ें लगातार कमजोर पड़ रही हैं। कड़ी मेहनत के बावजूद खेती उनके लिए घाटे का सौदा है। ऐसे में शहरों या विदेशों में नौकरी के लिए जाना उन्हें ज्यादा सही लगता है। नतीजा यह है कि गांवों में ज्यादातर बुजुर्ग किसान बचे हैं, जो अपनी जड़ों (खेतों) से जुड़े रहना चाहते हैं। देश की करीब 46 प्रतिशत आबादी आज भी खेती पर निर्भर है, जबकि देश की जी.डी.पी. में 16 प्रतिशत योगदान खेती का है। यह अंतर साफ बताता है कि खेती का दायरा बड़ा है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में उसकी घटती हिस्सेदारी एक बड़ी चुनौती है। यहां आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस यानी ए.आई. एक बड़े बदलाव की राह खोल सकता है। यह सिर्फ एक नई टैक्नोलॉजी नहीं, बल्कि खेती को पूरी तरह बदल देने वाली ताकत बन सकता है। ए.आई. के जरिए खेती को डाटा और टैक्नोलॉजी आधारित स्मार्ट खेती, ज्यादा मुनाफेमंद व सबसे अहम, युवाओं को इससे जोड़ा जा सकता है। ए.आई. खेती के तौर-तरीके बदल रहा है। अब सैटेलाइट तस्वीरों, मिट्टी की जांच, मौसम के पैटर्न और फसल की स्थिति के आधार पर किसानों को तुरंत सलाह मिल सकती है। इससे किसान सही समय पर बुवाई कर सकता है, खाद एवं कीटनाशकों का संतुलित उपयोग कर सकता है और

बाजार में सही समय पर फसल बेच सकता है। ए.आई. आधारित खेती से उत्पादन में बढ़ौतरी, पानी और रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों की खपत काफी घटाई जा सकती है। स्मार्ट फोन और डिजिटल दुनिया में पली-बढ़ी नई पीढ़ी के लिए यह बदलाव खेती को टैक्नोलॉजी आधारित पेशे में बदल देता है, जहां डाटा एनालिटिक्स भी उतने ही जरूरी हैं, जितने खेती के दूसरे पारंपरिक संसाधन। भारत के पास कृषि से जुड़े विशाल डाटा में मौसम, मिट्टी, सैटेलाइट और फसलों संबंधी आंकड़े हैं, लेकिन अभी भी 10 प्रतिशत से कम किसान डिजिटल सलाह का इस्तेमाल करते हैं। यानी टैक्नोलॉजी का असली फायदा अभी खेतों की पहुंच से परे है। हालांकि अब तस्वीर बदलने लगी है। किसान ई-मित्र जैसे प्लेटफॉर्म रोज हजारों किसानों के सवालों का जवाब दे रहे हैं। आई.आई.टी. रोपड़ की एनम ए.आई. एप जैसी पहल भी डाटा को आसान भाषा में किसानों तक पहुंचा रही हैं। शुरूआती प्रयोग से यह साफ हुआ है कि ए.आई. के इस्तेमाल से खेती की लागत 8 से 12 प्रतिशत तक घट सकती है और उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। अक्सर यह चिंता जताई जा रही है कि ए.आई. और मशीनें खेत मजदूरों को बेरोजगार कर देंगी। लेकिन भारत की जमीनी हकीकत अलग है। यहां 86 प्रतिशत किसानों के पास 2 हैक्टेयर तक के खेत हैं, जहां पूरी तरह मशीनों पर निर्भर होना संभव नहीं। ऐसे में ए.आई. खेत मजदूरों का काम खत्म नहीं करेगा, बल्कि काम का तरीका बदलेगा। अब नए तरह के काम सामने आ रहे हैं, जैसे एग्री-डाटा संभालने वाले तकनीशियन, ड्रोन से छिड़काव करने वाले ऑप्रेटर और सप्लाई चेन को संभालने वाले एक्सपर्ट छोटी जोत की खेती को भी मुनाफेमंद बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। 1966 में हरित क्रांति और मशीनीकरण की अगुवाई करने वाले पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों में महिलाएं ड्रोन से फसलों की निगरानी और कीटनाशकों का छिड़काव कर रही हैं। यह संकेत है कि आने वाले समय में गांवों की अर्थव्यवस्था भी डिजिटल टैक्नोलॉजी से बदलेगी। यानी ए.आई. रोजगार कम नहीं करेगी, बल्कि खेती को कुशल और सम्मानजनक पेशे में बदल सकती है। दुनिया के कई देशों ने साबित किया कि जब खेती टैक्नोलॉजी से जुड़ती है, तो युवा खुद-ब-खुद उससे जुड़ते जाते हैं। चीन का उदाहरण बेहद दिलचस्प है। भूजल संकट के बावजूद भारत लगभग 4.4 करोड़ हैक्टेयर में धान उगाता है, जबकि भूजल सरंक्षण के लिए चीन ने धान का रकबा घटाकर 2.8 करोड़ हैक्टेयर कर दिया है। बावजूद इसके चीन का चावल उत्पादन भारत से सिर्फ 50 लाख टन कम है। भारत में प्रति हैक्टेयर चावल उत्पादन करीब 2.3 टन है, जबकि चीन में प्रति हैक्टेयर 4 टन, यानी भारत से 70 प्रतिशत ज्यादा उत्पादन। अमरीका में सी एंड स्प्रे जैसी तकनीक कम्प्यूटर विजन के जरिए सिर्फ खरपतवार पर ही दवा डालती है, जिससे कैमिकल कीटनाशकों का इस्तेमाल 90 प्रतिशत तक घट जाता है। इसराईल में ए.आई. आधारित सिंचाई प्रणाली मिट्टी और मौसम के हिसाब से पानी का इस्तेमाल तय करती है। ए.आई. की मदद से जहां पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों की गेहूं-धान के फसली चक्र पर निर्भरता का समाधान निकाला जा सकता है, वहीं मिट्टी, पानी, मौसम, बीज, खाद एवं कीटनाशक की खपत और बाजार की मांग का विश्लेषण करके किसानों को फलों, सब्जियों, दालों, तिलहन और बागवानी जैसी अधिक लाभकारी फसलों की ओर मोड़ कर न केवल उनकी आय बढ़ाई जा सकती है, बल्कि पानी की बचत व पर्यावरण संतुलन भी बेहतर हो सकता है। मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, किसानों के कौशल विकास और दूरदर्शी नीतियों को यदि सही ढंग से लागू किया जाए, तो खेती आधुनिक, सम्मानजनक और मुनाफेमंद हो सकती है। तब शायद किसान भी गर्व से कह सकेगा कि मेरी संतान भी किसान बनेगी।

किसानों की टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव नियंत्रण से जोड़ रहा एक सार्थक प्रयास

महोबा जिले (उत्तर प्रदेश) के जैतपुर प्रखंड के 50 गांवों में ऐसा ही एक प्रयास लगभग दो वर्षों से सृजन संस्था द्वारा हो रहा है जिसे एच.एफ.डी.सी. के परिवर्तन प्रयास से सहयोग मिल रहा है। इस प्रयास की बुनियाद में दो प्रमुख सोच हैं। पहली सोच यह है कि यदि जल व मिट्टी संरक्षण, वृक्षारोपण आदि के पर्यावरण रक्षा के प्रयास से ग्रामीण पर्यावरण में बेहतर सुधार कर लिया जाए तो इससे किसानों की टिकाऊ आजीविका की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। तिस पर यदि प्राकृतिक खेती को फल व सब्जी के छोटे-छोटे बगीचों व आत्म-निर्भरता के तौर-तरीकों से आगे बढ़ाया जाए, तो किसानों का खर्च कम करने व स्वस्थ व अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद प्राप्त करने के उद्देश्य भी साथ-साथ प्राप्त हो जाते हैं। इस सोच को व्यवहारिक रूप देते हुए पिछले दो वर्षों में इस स्वावलंबन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लगभग 24000 वृक्ष मानव-निर्मित सघन वनों में लगाए गए हैं, 210 फलों के बगीचे व 110 सब्जियों के बहु-स्तरीय बगीचे तैयार किए गए हैं। जल-संरक्षण के लिए वर्षा जल के प्राकृतिक निकासी नालों में मानवीकृत गड्ढे बनाए गए हैं जिन्हें दोहा कहा जाता है व जिनमें पानी वर्षा के महीनों बाद बचा रहता है। ऐसे 406 दोहे बनाए गए हैं, 11 चौक डैमों व 5 तालाबों की मरम्मत की गई है, 24 गेबियन व चौक डैम बनाए गए हैं, 220 कुंओं का पुनरुद्धार किया गया है। 528 एकड़ भूमि पर मेढ़बंदी व समतलीकरण कार्य पूरा किया गया है। बेहतर सिंचाई के लिए 214 स्प्रिंकलर सेट व 14 सौर ऊर्जा लिफ्ट सिंचाई के सेट उपलब्ध करवाए गए हैं।

भारत डोगरा

देश के अधिकतम किसान छोटेकिसान हैंजो अन्य समस्याओं के साथ मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों को भी झेल रहे हैं। यदि उनकी टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव के नियंत्रण से भी जोड़ा जा सके, तो यह एक बहुत सार्थक पहल होगी। महोबा जिले (उत्तर प्रदेश) के जैतपुर प्रखंड के 50 गांवों में ऐसा ही एक प्रयास लगभग दो वर्षों से सृजन संस्था द्वारा हो रहा है जिसे एच.एफ.डी.सी. के परिवर्तन प्रयास से सहयोग मिल रहा है। इस प्रयास की बुनियाद में दो प्रमुख सोच हैं। पहली सोच यह है कि यदि जल व मिट्टी संरक्षण, वृक्षारोपण आदि के पर्यावरण रक्षा के प्रयास से ग्रामीण पर्यावरण में बेहतर सुधार कर लिया जाए तो इससे किसानों की टिकाऊ आजीविका की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। तिस पर यदि प्राकृतिक खेती को फल व सब्जी के छोटे-छोटे बगीचों व आत्म-निर्भरता के तौर-तरीकों से आगे बढ़ाया जाए, तो किसानों का खर्च कम करने व स्वस्थ व अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद प्राप्त करने के उद्देश्य भी साथ-साथ प्राप्त हो जाते हैं। इस सोच को व्यवहारिक रूप देते हुए पिछले दो वर्षों मेंइस स्वावलंबन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लगभग 24000 वृक्ष मानव-निर्मित सघन वनों में लगाए गए हैं, 210 फलों के बगीचे व 110 सब्जियों के बहु-स्तरीय बगीचे तैयार किए गए हैं। जल-संरक्षण के लिए वर्षा जल के प्राकृतिक निकासी नालों में मानवीकृत गड्ढे बनाए गए हैं जिन्हें दोहा कहा जाता है व जिनमें पानी वर्षा के महीनों बाद बचा रहता है।ऐसे 406 दोहे बनाए गए हैं, 11 चौक डैमों व 5 तालाबों की मरम्मत की गई है, 24 गेबियन व चौक डैम बनाए गए हैं, 220 कुंओं का पुनरुद्धार किया गया है।528 एकड़ भूमि पर मेढ़बंदी व समतलीकरण कार्य पूरा किया गया है।बेहतर सिंचाई के लिए 214 स्प्रिंकलर सेट व 14 सौर ऊर्जा लिफ्ट सिंचाई के सेट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त गांवों में विशेषकर महिलाओं को संगठित कर विकास समितियां व किसान समूह बनाए गए हैं व महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रतिष्ठित किया गया है। इन समितियों में छोटे किसानों व कमजोर वर्गों को अधिक महत्व दिया गया है। इन विभिन्न प्रयासों का सम्मिलित असर यह हुआ है कि अनेक गांवों के प्रतिभाशाली किसानों ने अनुकूल स्थितियों का लाभ उठाते हुए बहुत रचनात्मक संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। सलैया माफ गांव में संतोष कुमार और वीना देवी ने आगे बढ़ कर प्राकृतिक खेती को अपनाया और साथ में अपना खर्च कम करते हुए उत्पादन को बढ़ा कर दिखाया।इसी गांव में श्याम सुंदर तेजी से इसी राह पर बढ़ रहे हैं। बेनीबाई ने बताया कि चौक डैम बनने से अब उस भूमि पर भी खेती हो रही है जो पहले बंजर थी। संजीव कुमार बहुत उत्साह से प्राकृतिक खेती का प्रचार कर रहे हैं। यही स्थिति नगारा डांग व बुधवारा गांवों की भी है। सुगीरा गांव में एक एकड़ भूमि पर सब्जी उगाते हुए अशोक कुशवाहा व हिमलेश देवी ने नई परिस्थितियों में अपनी इस भूमि से होने वाली आय को चार गुणा तक बढ़ा दिया। अशोक ने यह बताते हुए आंकड़े प्रस्तुत किया।

लमौरा गांव में स्वामी प्रसाद व कस्तूरी देवी के खेत में बने बहु-स्तरीय सब्जी के बगीचे को देखने आसपास के कई किसान आ रहे हैं। स्प्रिंकलर खेती व प्राकृतिक खेती के बल पर उनके रचनात्मक प्रयास आगे बढ़ रहे हैं व 8 बीघे में वे फ ल, सब्जी सहित लगभग 50 उत्पाद एक ही वर्ष में उगा रहे हैं। मिश्रित खेती, कीड़ों व बीमारियों को दूर रखने, उचित फसल-चक्र को अपनाने की उनकी गहरी समझ है। उनकी तरह कामता प्रसाद व मुन्नी का खेत भी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र की तरह है। कामता प्रसाद व मुन्नी को तथा उनके संयुक्त परिवार के अन्य सदस्यों को इस परियोजना के अन्तर्गत जंगली जानवरों से रक्षा के लिए मजबूत लोहे की फेनसिंग मिली।इस तरह प्रतिकूल स्थितियों में भी उन्होंने अच्छे उत्पादन की प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाया। लखन लाल व विमला देवी ने अपने खेत पर ही जैविक खाद तैयार की व इसे अन्य किसानों को भी उपलब्ध करवाया। इस तरह जो रचनात्मक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, वे जलवायु बदलाव पर नियंत्रण के संदर्भ में भी सार्थक है। जो किसान अपना खर्च कम कर रहे हैं, मिश्रित खेती अपना रहे हैं, जिनके गांवों में जल व मिट्टी संरक्षण हो रहा है वे सब जलवायु बदलाव के उतार-चढ़ाव का सामना करने में भी अधिक सक्षम हो रहे हैं। इन गांवों में रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं का उपयोग भी कम हो रहा है जिससे फॉसिल फ्यूल यानि जीवाश्म ईंधन का बोझ भी कम हो रहा है। लाडपुर जैसे जिन गांवों में सौर लिफ्ट सिंचाई की व्यवस्था की गई है वहां भी किसानों का खर्च बहुत कम होने व सिंचाई में सुधार के साथ डीजल के रूप में फॉसिल फ्यूल का बोझ कम हुआ है।

बदहाल मुल्क भी भारत से ज्यादा खुशहाल क्यों?

संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क और गैलप के सहयोग से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा तैयार श्वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026श बता रही है कि खुशमिजाजी के मामले में भारत का मुकाम दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों से ही नहीं बल्कि पाकिस्तान और नेपाल जैसे बदहाल समझे जाने वाले पड़ोसी देशों से भी पीछे बरकरार है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनडीपी तमाम आंकड़ों के आधार पर पहले ही बता चुकी है कि भारत टिकाऊ विकास के मामले में दुनिया के 167 देशों की सूची में 99वें स्थान पर है। अमेरिका और जर्मनी की एजेंसियों ने जानकारी दी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में दुनिया के 123 देशों में भारत 102वें स्थान पर है। पेंशन सिस्टम की वर्ल्ड रैंकिंग में भारत 47 देशों में 45वें नंबर पर है। पासपोर्ट रैंकिंग में 199 देशों में भारत का 75वां नंबर भी देश की अर्थव्यवस्था खोखली हो जाने की गवाही देता है और अब श्वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स्य में दुनिया के 147 देशों में भारत का मुकाम 116वें नंबर पर है, जो पिछले साल के 118वें नंबर से थोड़ा बेहतर है। दुनिया भर में भारत की साख सिर्फ आर्थिक मामलों में ही नहीं गिर रही है बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सौहार्द्र, धार्मिक सहिष्णुता, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, अभिव्यक्ति की आजादी, मानवाधिकार और मीडिया की आजादी में भी भारत की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग साल दर साल नीचे आती जा रही है। ऐसे में खुशहाली के मामले में भारत की स्थिति में गिरावट दर्ज होना जरा भी नहीं चौंकाता। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वे करके जारी की जाती है।

अनिल जैन

वैश्विक आर्थिक मामलों के तमाम अध्ययन संस्थानों द्वारा भारत की आर्थिक स्थिति के गाए जा रहे शोक-गीतों के बीच कथित श्फलती-फूलती अर्थव्यवस्था, श्आर्थिक विकासश के तमाम सरकारी दावों की खिल्ली उड़ाने और उन्हें आईना दिखाने वाली एक और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट आ गई है। संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क और गैलप के सहयोग से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा तैयार श्वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट-2026श बता रही है कि खुशमिजाजी के मामले में भारत का मुकाम दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों से ही नहीं बल्कि पाकिस्तान और नेपाल जैसे बदहाल समझे जाने वाले पड़ोसी देशों से भी पीछे बरकरार है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनडीपी तमाम आंकड़ों के आधार पर पहले ही बता चुकी है कि भारत टिकाऊ विकास के मामले में दुनिया के 167 देशों की सूची में 99वें स्थान पर है। अमेरिका और जर्मनी की एजेंसियों ने जानकारी दी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में दुनिया के 123 देशों में भारत 102वें स्थान पर है। पेंशन सिस्टम की वर्ल्ड रैंकिंग में भारत 47 देशों में 45वें नंबर पर है। पासपोर्ट रैंकिंग में 199 देशों में भारत का 75वां नंबर भी देश की अर्थव्यवस्था खोखली हो जाने की गवाही देता है और अब श्वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स्य में दुनिया के 147 देशों में भारत का मुकाम 116वें नंबर पर है, जो पिछले साल के 118वें नंबर से थोड़ा बेहतर है। दुनिया भर में भारत की साख सिर्फ आर्थिक मामलों में ही नहीं गिर रही है बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सौहार्द्र, धार्मिक सहिष्णुता, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, अभिव्यक्ति की आजादी, मानवाधिकार और मीडिया की आजादी में भी भारत की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग साल दर साल नीचे आती जा रही है। ऐसे में खुशहाली के मामले में भारत की स्थिति में गिरावट दर्ज होना जरा भी नहीं चौंकाता। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वे करके जारी की जाती है। इसमें अर्थशास्त्रियों की एक टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, दीर्घ जीवन की प्रत्याशा, सामाजिक सहयोग, स्वतंत्रता, उदारता आदि पैमानों पर दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों के इस अहसास को नापती है कि वे कितने खुश हैं। खुशहाल देशों के साथ ही सर्वाधिक नाखुश देशों की सूची भी जारी हुई है, जिसमें अफगानिस्तान शीर्ष पर है और भारत 32वें नंबर पर। दिलचस्प बात यह है कि 13 साल पहले यानी 2013 की रिपोर्ट में भारत 111वें नंबर पर था। तब से अब तक हमारे शेयर बाजार तो लगभग लगातार बढ़त पर ही रहे हैं। फिर भी इस दौरान हमारी खुशी का स्तर नीचे खिसक आने की वजह क्या हो सकती है? दरअसल यह रिपोर्ट इस हकीकत को भी साफ तौर पर रेखांकित करती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही किसी समाज में खुशहाली नहीं ला सकती। इसीलिये आर्थिक समृद्धि के महासागर माने जाने वाले अमेरिका (23) और ब्रिटेन (29) भी दुनिया के सबसे खुशहाल 10 देशों में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। अगर इस रिपोर्ट को तैयार करने के तरीकों और पैमानों पर सवाल खड़े किए जाएं, तब भी कुछ सोचने का मसाला तो इस रिपोर्ट से मिलता ही है। किसी भी देश की तरक्की को मापने का सबसे प्रचलित पैमाना जीडीपी या विकास दर है। फिर भी इसे लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। एक तो यह कि जीडीपी किसी देश की कुल अर्थव्यवस्था की गति को तो सूचित करती है, लेकिन इससे यह पता नहीं चलता कि आम लोगों तक उसका लाभ पहुंच रहा है या नहीं। दूसरे, जीडीपी का पैमाना केवल उत्पादन वृद्धि के लिहाज से ही किसी देश की तस्वीर पेश करता है। ताजा हैप्पीनेस रिपोर्ट में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल मुल्क है। वह लगातार नौवें साल शीर्ष पर बना हुआ है। फिनलैंड को दुनिया में सबसे स्थिर, सबसे सुरक्षित और सबसे सुशासन वाले देश का दर्जा दिया गया है। वह न्यूनतम भ्रष्ट और सामाजिक तौर पर प्रगतिशील है। उसकी पुलिस दुनिया में सबसे ज्यादा साफ-सुथरी और भरोसेमंद है। वहां हर नागरिक को मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त है, जो देश के लोगों की खुशहाली की बड़ी वजह है। वर्ष 2026 की रिपोर्ट में सबसे खुशहाल मुल्कों में फिनलैंड के बाद क्रमश आइसलैंड, डेनमार्क, कोस्टारिका, स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड, इजरायल, लक्जमबर्ग और स्विट्जरलैंड है। इन सभी देशों में प्रति व्यक्ति आय काफी ज्यादा है। यानी भौतिक समृद्धि, आर्थिक सुरक्षा और व्यक्ति की प्रसन्नता का सीधा रिश्ता है। इन देशों में भ्रष्टाचार कम है और सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा भी काफी है। लोगों पर आर्थिक सुरक्षा का दबाव कम है, इसलिए जीवन के फैसले करने की आजादी भी ज्यादा है। जबकि भारत की स्थिति इन सभी पैमानों पर बदतर है। यहां तक कि हम पाकिस्तान, नेपाल और फिलिस्तीन से भी बदतर स्थिति में है, जो कि हैरान करने वाली बात है। इस हकीकत की वजह शायद यह है कि भारत में विकल्प तो बहुतायत में हैं, लेकिन उन तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है, जिसकी वजह से लोगों में असंतोष है। इस स्थिति के बरअक्स कई देशों में जो सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, उनके बारे में भी लोगों को ठीक से जानकारी नहीं है, इसलिए वे अपने सीमित दायरे में ही संतुष्ट और खुश हैं। फिर भारत में तो जितनी आर्थिक असमानता है, वह भी लोगों में असंतोष या मायूसी पैदा करती है। यह बात जरूर गौरतलब है कि कई बड़े देशों की तरह हमारे देश के नीति-नियामक भी आज तक इस हकीकत को गले नहीं उतार पाए हैं कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या विकास दर बढ़ा लेने भर से हम एक खुशहाल समाज नहीं बन जाएंगे। किसी देश की समृद्धि तभी मायने रखती है, जब वह नागरिकों के स्तर पर हो। भारत और चीन की सरकारों का जोर अपने आम लोगों की खुशहाली के बजाय राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाने पर रहता है। इसलिए आश्चर्य नहीं कि लंबे समय से जीडीपी के लिहाज से दुनिया में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने के बावजूद चीन और जर्मनी श्वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में अभी भी क्रमशः 65वें और 21वें स्थान पर हैं।

एनएसएस शिविर में युवाओं ने लिया समाज सेवा का संकल्प,

लखनऊ,(संवाददाता))। लखनऊ इस्माइलगंज स्थित श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज की तीनों एनएसएस इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर की शुरूआत हुई। उद्घाटन सत्र में युवाओं को समाज सेवा और कड़े परिश्रम का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी विकास सिंह ने छात्रों में जोश भरते हुए कहा कि सतत साधना और परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। मेहनत से न केवल लक्ष्य हासिल होते हैं, बल्कि व्यक्ति का आत्मबल भी मजबूत होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के प्रिंसिपल सुभाष चंद्र पाण्डेय ने कहा कि युवाओं के कंधे पर ही देश का भविष्य है। एनएसएस का असली मकसद असहायों को सहारा देना और अशिक्षितों को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं से सरकारी योजनाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुँचाने की अपील की। उद्घाटन के बाद छात्र-छात्राओं ने पूरे मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया। इसके बाद आसपास के इलाकों में जागरूकता रैली निकाली गई।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के ये हैं कारण, समय पर ठीक कर लो इस परेशानी को

सुबह की सांस की बदबू को अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, मुंह का सूखापन और उसके साथ आने वाली तेज अप्रिय गंध सिर्फ रात की नींद से जुड़ी बात नहीं होती। ये आपके शरीर की हाइड्रेशन, नींद और मेटाबॉलिज्म से जुड़ा अहम संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के कारण

शरीर में पानी की कमीः अगर आप दिनभर पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो रात में शरीर और ज्यादा डिहाइड्रेट हो जाता है। इससे मुंह में लार कम बनती है और मुंह सूख जाता है। इसके संकेत होंठ सूखना, सिर दर्द, पेशाब का गहरा रंग है।

मुंह खोलकर सोनाः अगर आप नाक की बजाय मुंह से सांस लेते हैं (जैसे नाक बंद होने पर), तो हवा सीधे मुंह को सुखा देती है।

ऐसे में सुबह गला सूखा जाता है, खरार्टे आते हैं और गले में खराश होने लगती है।

बैक्टीरिया का बढ़नाः रात में लार कम बनने से मुंह के बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं, जिससे बदबू आती है। इससे सुबह उठते ही बदबू आने लगती है, जीभ पर सफेद परत हो जाती है।

मेटाबॉलिज्म और ब्लड शुगर का असरः अगर आपका मेटाबॉलिज्म ठीक नहीं है या ब्लड शुगर बढ़ा हुआ है (जैसे प्रीडायबिटीजध्डायबिटीज), तो मुंह सूखने की समस्या बढ़ सकती है। इस बार रात को बार-बार प्यास लगती है, थकान रहती है और बार-बार पेशाब आता है।

खराब नींद या स्लीप डिसऑर्डरः कम या खराब क्वालिटी की नींद (जैसे स्लीप एपनिया) भी मुंह सूखने का कारण बन सकती है। इससे रात भर नींद पूरी करने के बाद भी दिन में थकावट बनी रहती है।

ये समस्या कब गंभीर हो सकती है?

अगर रोज सुबह मुंह बहुत ज्यादा सूखा रहता है या बदबू लगातार बनी रहती है, तो ये संकेत हो सकते हैं डायबिटीज, गम (मसूड़ों) की बीमारी और पाचन समस्या के। अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से जांच कराएं खासकर ब्लड शुगर और ओरल हेल्थ की। ध्यान रखें सुबह का सूखा मुंह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि शरीर का अलार्म हो सकता है जो आपको पानी, नींद और सेहत सुधारने का संकेत दे रहा है।

इस तरह ठीक करें अपनी समस्या

दिनभर पर्याप्त पानी पिएंः कम से कम 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं, खासकर सोने से पहले 1 गिलास पानी लें।

सोने से पहले ओरल केयरः रात में ब्रश जरूर करें, जीभ साफ करें, माउथवॉश का इस्तेमाल करें।

नाक से सांस लेने की आदत डालेंः अगर नाक बंद रहती है, तो भाप लें या डॉक्टर से सलाह लें।

डाइट सुधारेंः ज्यादा मीठा और जंक फूड कम करें, फल और हरी सब्जियां खाएं। कैफीन और अल्कोहल कम लें

अच्छी नींद लेंः 7,8 घंटे की नींद जरूरी। सोने से पहले मोबाइल कम इस्तेमाल करें।

किसे मिलेंगे हर महीने 2500 रुपये-किसे नहीं? आवेदन से लेकर पात्रता तक यहां जानें सबकुछ

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने बीते दिन जारी हुए दिल्ली के बजट में महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा कर दी है। आप यहां इस योजना में आवेदन करने से लेकर पात्रता और डॉक्यूमेंट्स जैसी जरूरी चीजों के बारे में जान सकते हैं। इसी क्रम में अब दिल्ली सरकार भी महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने वाली है जिसका एलान सरकार द्वारा किया गया है। ये लाभ महिला समृद्धि योजना के तहत मिलेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार ने बीते दिन जारी किए बजट में 5100 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान भी रखा है। चलिए जानते हैं महिला समृद्धि योजना में कौन महिलाएं आवेदन कर सकती हैं, आवेदन का तरीका क्या है और आवेदन के समय कौन-कौन से डॉक्यूमेंट चाहिए जैसी जरूरी बातें... महिला समृद्धि योजना में कौन आवेदन कर सकता है? जिन महिलाओं की

उम्र 21 से 59 वर्ष के बीच है जो महिलाएं दिल्ली की निवासी हैं महिला का दिल्ली में कम से कम 5 साल रहना अनिवार्य है वे महिलाएं जो गरीबी रेखा यानी बीपीएल या ईडब्ल्यूएस श्रेणी में हैं वो महिला पात्र है जिसके परिवार की आय लगभग ढाई लाख से 3 लाख रुपये के बीच सालाना है महिला या परिवार का कोई सदस्य टैक्स की श्रेणी में न आता हो यानी करदाता न हो महिला की सरकारी नौकरी न हो महिला सर्विस से रिटायर न हो महिला समृद्धि योजना में अप्लाई कैसे कर पाएंगे? मिली जानकारी के मुताबिक, विशेषज्ञ कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप दिल्ली सरकार इस योजना के लिए एक वेबसाइट लाएगी इस वेबसाइट के जरिए पात्र महिलाएं आवेदन कर पाएंगी माना ये भी जा रहा है कि योजना के लिए ऑफलाइन आवेदन की भी व्यवस्था रखी जाएगी महिलाओं को कैसे मिलेंगे हर महीने 2500 रुपये? महिला समृद्धि योजना से जो भी पात्र महिलाएं जुड़ेंगी, उन्हें हर महीने 2500 रुपये का लाभ देने का प्रावधान है दिल्ली सरकार ये पैसे सीधे लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में भेजेगी डीबीटी यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए ये पैसे हस्तांतरित किए जाएंगे महिला समृद्धि योजना में आवेदन के लिए कौन से डॉक्यूमेंट चाहिए होंगे? आवेदनकर्ता का आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, पासपोरट् साइज, बीपीएल कार्ड, बैंक खाते की जानकारी आदि चाहिए होंगे

बाइक से चलते हैं तो इन चार बातों का रखें विशेष ध्यान, वरना चालान कटना तय

आज के आधुनिक दौर में चालान भी अब ऑनलाइन ही कटने लगा है। कई बार कुछ लोगों का जानकारी के आभाव में चालान कट जाता है। इसलिए सभी बाइक राइडर को कुछ नियमों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए विस्तार से जानते हैं। हमारे देश की सड़कों पर दोपहिया वाहनों की संख्या सबसे अधिक है, लेकिन एक छोटी सी चूक दुर्घटना का बड़ा कारण बन जाती है। इसी जोखिम को कम करने के लिए सरकार ने यातायात के बेहद सख्त नियम बनाए हैं। आज के इस हाई-टेक दौर में केवल चौराहों पर खड़े पुलिसकर्मी ही नहीं, बल्कि सड़कों पर लगे एआई आधारित आधुनिक कैमरे भी आपकी हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रहे हैं। ऐसे में नियमों की अनदेखी करना न सिर्फ आपकी सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह सीधे आपकी जेब पर भी भारी पड़ सकता है क्योंकि अब डिजिटल चालान से बचने का कोई रास्ता नहीं बचा है। अक्सर लोग उन छोटे-छोटे नियमों से अनजान होते हैं जिनकी वजह से उनके चालान कट जाते हैं। नंबर प्लेट और HSRP के सख्त नियम नंबर प्लेट से जुड़े नियमों के

बारे में बहुत कम लोगों को मालूम होता है। नियम के मुताबिक अपनी बाइक पर हमेशा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) ही लगवाना चाहिए। प्लेट पर किसी भी तरह की कलाकारी, नाम या पद लिखना पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसके लिए 5,000 से 10,000 तक का जुमार्ना हो सकता है। ध्यान रखें कि नंबर प्लेट को नट-बोल्ट के बजाय 'स्नैप लॉक' से ही कसा गया हो। प्लेट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या उसे छुपाने की कोशिश आपको कानूनी मुश्किलों में डाल सकती है। साइलेंसर और मॉडिफिकेशन पर पाबंदी बाइक के ओरिजिनल साइलेंसर को बदलकर 'पटाखा' छोड़ने वाले या तेज आवाज वाले साइलेंसर लगवाना एक गंभीर अपराध है। ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ऐसे मॉडिफिकेशन पर पुलिस भारी जुमार्ना के साथ आपकी बाइक को मौके पर ही जब्त कर सकती है। पर्यावरण नियमों के तहत, साइलेंसर से निकलने वाला धुआं और आवाज दोनों निर्धारित सीमा के भीतर होने चाहिए। किसी भी तरह का अवैध मॉडिफिकेशन आपके वाहन की वारंटी और इंश्योरेंस दोनों को खत्म कर सकता है। हेलमेट के मानक और स्ट्रैप का सही उपयोग सिर्फ हेलमेट पहनना काफी नहीं है, यह क्रक प्रमाणित होना चाहिए और इसका स्ट्रैप (Lock) लगा होना अनिवार्य है। अगर आपका हेलमेट बिना लॉक के है, तो ?1,000 तक का चालान काटा जा सकता है। साथ ही पीछे बैठने वाले यात्री के लिए भी हेलमेट पहनना कानूनी रूप से जरूरी है। नियमों के अनुसार आधे सिर वाले या फैंसी हेलमेट अगर सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते तो पुलिस उन पर भी कार्रवाई कर रही है।

सुबह की एक गलती की वजह से होते हैं ज्यादातर हार्ट अटैक! हर किसी के लिए जरूरी है ये खबर

नई दिल्ली : आज के समय में तेजी से हार्ट अटैक के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे में हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि कहीं ये हमारी किसी गलती की वजह से ही तो नहीं है। इस बारे में जापानी कार्डियोलॉजिस्ट क्या कहते हैं आइए जानते हैं आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। आलम तो कुछ ऐसा हो गया है कि अब युवा भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। वैसे तो खराब खानपान, तनाव, नींद की कमी और अनियमित दिनचर्या इसके बड़े कारण बनते जा रहे हैं लेकिन हमें समझने की जरूरत है कि अब हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी आदतें भी दिल की सेहत पर गहरा असर डालती हैं, जिन पर हम अक्सर ध्यान नहीं देते। दरअसल, सुबह का समय शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इसी समय की गई एक आम गलती हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी सुबह की आदतों को समझें और सुधारें। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि वह कौन सी गलती है, जिससे दिल को खतरा हो सकता है और उससे कैसे बचा जा सकता है। सुबह की ये गलती बढ़ा सकती है हार्ट अटैक का खतरा ये गलती है सुबह अचानक उठकर अपने कामों में लग जाना। दरअसल, अधिकांश लोग सुबह उठते ही सीधे बिस्तर छोड़कर व्यायाम, दौड़ या भारी काम करना शुरू कर देते हैं। जोकि पूरी तरह से गलत तरीका है। आइए जानते हैं कि ऐसा करने से हार्ट अटैक का कैसे होगा? क्यों खतरनाक है ये आदत? 1. ब्लड प्रेशर में अचानक बदलाव नींद से जागने पर शरीर का सकुर्लेटिंग ब्लड प्रेशर धीरे-धीरे बढ़ता है। अगर आप तुरंत खड़े होकर काम शुरू करते हैं, तो ब्लड प्रेशर अचानक ऊंचा हो जाता है। इससे रक्त वाहिकाओं और दिल पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जो हार्ट अटैक या स्ट्रोक का कारण बन सकता है। 2. हार्ट पर स्ट्रेस स्ट्रेस हार्ट अटैक का बड़ा कारण है। सुबह अचानक एक्टिव होने से दिल को तेजी से खून पंप करना पड़ता है। यह अचानक स्ट्रेस हार्ट मसल्स पर लोड बढ़ा देता है और कमजोर हार्ट वाले लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। 3. ब्रेन और हार्ट को कम ऑक्सीजन नींद से उठते समय शरीर और मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। अचानक उठने पर ऑक्सीजन की आपूर्ति धीमी हो जाती है, जिससे चक्कर, कमजोरी और कभी-कभी फॉल होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

नवरात्रि व्रत में राजगिरा खाकर घटाएं वजन, थकान- कमजोरी भी होगी दूर

नवरात्रि का पर्व जहां धार्मिक आस्था का प्रतीक है, वहीं यह सेहत के लिहाज से भी बेहद खास माना जाता है। इन दिनों में बड़ी संख्या में लोग उपवास रखते हैं, जिससे शरीर को डिटॉक्स होने का मौका मिलता है। खास बात यह है कि व्रत के दौरान सही खानपान अपनाकर वजन कम करना भी आसान हो जाता है। डॉक्टर के अनुसार, अगर व्रत के दौरान डाइट पर सही ध्यान दिया जाए, तो शरीर की अतिरिक्त चर्बी तेजी से कम की जा सकती है। ऐसे में एक खास देसी फूड राजगिरा (चौलाई) वजन घटाने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

वेट लॉस के लिए फायदेमंद है राजगिरा

व्रत के दौरान आमतौर पर लोग सीमित चीजों का सेवन करते हैं। ऐसे में राजगिरा एक हेल्दी और पौष्टिक विकल्प बनकर सामने

आता है। इसे अमरंथ या चौलाई भी कहा जाता है। यह न सिर्फ हल्का और पचने में आसान है, बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देता है।

क्यों है राजगिरा खास?

विशेषज्ञों का कहना है कि राजगिरा में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं।

कम कैलोरीः यह वजन घटाने के लिए उपयुक्त है

प्रोटीन से भरपूरः लंबे समय तक पेट भरा रखता है

फाइबर का अच्छा स्त्रोतः पाचन को बेहतर बनाता है

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता हैः शरीर की चर्बी तेजी से घटाने में मदद करता है

एनर्जी बनाए रखता हैः व्रत के दौरान थकान और कमजोरी को दूर करता है।

व्रत में ऐसे करें सेवन

नवरात्रि के दौरान राजगिरा को कई तरीकों से डाइट में शामिल किया जा सकता है

राजगिरा के लड्डू

आटे की रोटी या पराठा

चीला या खीर।

डाइट एक्सपट्र्स का मानना है कि व्रत के दौरान तला-भुना और ज्यादा मीठा खाने से बचना चाहिए। इसके बजाय हल्का, संतुलित और पौष्टिक आहार लेना जरूरी है, ताकि शरीर को ऊर्जा भी मिले और वजन भी नियंत्रित रहे। नवरात्रि का व्रत न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शरीर को स्वस्थ बनाने का भी एक अच्छा अवसर है। अगर आप इस दौरान राजगिरा को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो आप आसानी से वजन घटाने के साथ-साथ खुद को एनर्जेटिक भी रख सकते हैं।

कहीं भी क्यूआर कोड स्कैन करने से पहले ये 2 चीजें जरूर जांचें, वरना खाली हो सकता है बैंक अकाउंट

नई दिल्ली : हर गुजरते साल के साथ ऑनलाइन स्कैम के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। आज के समय में ऑनलाइन फ्रॉड होना काफी आम हो चुका है। इस ऑनलाइन फ्रॉड का एक सबसे आम तरीका है क्यूआर स्कैन। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। डिजिटल इंडिया के दौर में क्यूआर कोड ने भुगतान को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन यही सुविधा अब साइबर ठगों का बड़ा हथियार बनती जा रही है। अक्सर लोग यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि क्यूआर कोड का इस्तेमाल केवल पैसे भेजने के लिए किया जाता है, न कि पैसे प्राप्त करने के लिए। स्कैमर्स अक्सर ओएलएक्स जैसी साइटों

पर सामान खरीदने के बहाने आपको क्यूआर कोड भेजते हैं और दावा करते हैं कि इसे स्कैन करते ही पैसा आपके खाते में आ जाएगा। जैसे ही आप लालच में आकर कोड स्कैन करते हैं और अपना यूपीआई पिन दर्ज करते हैं, आपके खाते से पैसे कट जाते हैं। आज के आधुनिक समय में 'क्यूआर फिशिंग' के मामले तेजी से बढ़े हैं, जहां जालसाज असली दुकानों के कोड पर अपनी फर्जी स्टिकर चिपका देते हैं। पैसे पाने के लिए पिन की जरूरत क्यों नहीं? साइबर सुरक्षा का सबसे पहला नियम है कि पैसे प्राप्त करने के लिए आपको कभी भी यूपीआई पिन डालने या क्यूआर कोड स्कैन करने की जरूरत नहीं होती। अगर कोई आपसे कहता है कि पैसे लेने के लिए स्कैन करें, तो समझ लीजिए कि वह धोखाधड़ी कर रहा है। ठग अक्सर 'पेमेंट पेंडिंग' या 'रिवॉर्ड पॉइंट' का झांसा देकर आपको कोड भेजते हैं। जैसे ही आप पिन डालते हैं, आप अनजाने में अपने बैंक खाते से पैसे निकालने की अनुमति दे देते हैं। फर्जी क्यूआर कोड की पहचान कैसे करें? सार्वजनिक स्थानों, पेट्रोल पंपों या दुकानों पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करने से पहले उसे ध्यान से देखें। जालसाज अक्सर असली मर्चेंट बोर्ड के ऊपर अपना फर्जी स्टिकर चिपका देते हैं। अगर कोड उखड़ा हुआ या किसी स्टिकर के ऊपर लगा हुआ दिखे, तो भुगतान न करें। स्कैन करने के बाद ऐप पर आने वाले नाम की पुष्टि दुकानदार से जरूर करें। अगर नाम संदेहास्पद लगे या किसी व्यक्तिगत खाते का हो, तो तुरंत रुक जाएं और नकद या अन्य माध्यम का चुनाव करें। धोखाधड़ी होने पर तुरंत क्या करें? अगर गलती से आपने कोड स्कैन कर दिया है और पैसे कट गए हैं, तो सबसे पहले अपने बैंक को सूचित कर अपना खाता या यूपीआई सेवा ब्लॉक कराएं। आज के नए नियमों के तहत अगर आप फ्रॉड के शुरूआती 2 घंटों के भीतर शिकायत करते हैं, तो आपके पैसे वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की प्रदर्शनी मास्करेड ऑफ आर्ट में दर्शकों का स्वागत

लखनऊ,(संवाददाता))। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ का परिसर इन दिनों कल्पना और रचनात्मकता के रंगों से सजा हुआ है, क्योंकि विद्यालय की वार्षिक कला प्रदर्शनी मास्करेड ऑफ आर्ट अब आम जनता के लिए खुल गई है। 24 मार्च से शुरू हुई इस प्रदर्शनी में शहर भर से अभिभावकों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। यह प्रदर्शनी केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक अनोखा कलात्मक अनुभव है। यहाँ हर कलाकृति भावनाओं को छूती है और हर रचना बच्चों की असीम कल्पनाशक्ति को दशार्ती है। प्रदर्शनी में कला की विभिन्न शैलियों का सुंदर संगम देखने को मिलता है। इसमें बारीकी से बनाए गए कथकली मास्क, जनजातीय कला से प्रेरित कृतियाँ, और आधुनिक पाश्चात्य डिजाइन शामिल हैं, जो पहचान और संस्कृति के विषयों को दशार्ते हैं। दर्शक वारली कला की सादगी, प्राकृतिक दृश्यों की शांति, अमूर्त चित्रों की गहराई और भावनात्मक पोर्ट्रेट्स की अभिव्यक्ति का भी आनंद ले सकते हैं। इस प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण एक विशाल भित्ति चित्र (म्यूरल) है, जिसमें सिरेमिक और पेंटिंग का अनोखा मेल देखने को मिलता है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर का बड़ा आरोप, बोले- भारतीय खिलाड़ी ही मुझ पर करते थे नस्लीय टिप्पणी

चेन्नई। पूर्व स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन का खुलासा चौंका देने वाला है। उन्होंने जो खुलासे किए हैं, इससे तूफान मच सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें मैदान पर क्रिकेटर्स और फैंस ने कई गलत नामों से पुकारा। इसकी वजह से उन्हें कई बार परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले लक्ष्मण शिवरामकृष्णन का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही लंबा न रहा हो, लेकिन उन्होंने खेल के मैदान पर अपनी फिरकी से सलीम मलिक और इमरान खान समेत कई दिग्गजों को परेशान किया। हालांकि, उनकी प्रतिभा और शुरूआती शानदार प्रदर्शन के बावजूद, वह आगे चलकर उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। अब उन्होंने खुलासा किया है कि इसका कारण केवल उनकी प्रतिभा या खेल में सुधार की कमी ही नहीं थी, बल्कि उनके साथ ही नस्लीय टिप्पणी भी थी। हाल ही में एक इंडियन एक्सप्रेस के साथ एक इंटरव्यू में, शिवरामकृष्णन ने अन्य कारणों के बारे में खुलकर बात की। उनका कहना है कि अन्य कारणों ने भी उन पर एक गहरा मानसिक घाव छोड़ा है, जिसे मिटाना उनके लिए मुश्किल रहा है। शिवरामकृष्णन ने कहा कि नस्लवाद की घटनाओं से उन्हें बार-बार गुजरना पड़ा। बचपन का पहला कड़वा अनुभव 'द इंडियन एक्सप्रेस' को दिए इंटरव्यू के मुताबिक, शिवरामकृष्णन के जीवन के साथ पहली नस्लीय घटना तब हुई, जब वह केवल 14 वर्ष के थे। वह चेन्नई के चेपॉक

स्टेडियम में भारतीय टीम के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल हुए थे। अपनी जर्सी में ही वह स्टेडियम के एक छोटे से कमरे में कपड़े बदलने के लिए दौड़े, तभी एक वरिष्ठ भारतीय बल्लेबाज ने उन्हें पुकारा। शिवरामकृष्णन ने बताया कि उस वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी ने उनसे उनके जूते साफ करने को कहा। इस टिप्पणी से स्तब्ध शिवरामकृष्णन ने याद करते हुए कहा, 'मैंने बस उनकी ओर देखा और कहा- यह मेरा काम नहीं है, आप जो करना चाहते हैं वह करें।' उन्होंने स्पष्ट किया कि उस वरिष्ठ खिलाड़ी ने उन्हें ग्राउंड स्टाफ समझ लिया था। शिवरामकृष्णन ने बताया, 'मुझे नहीं पता था कि नस्लवाद या रंग भेद क्या होता है। मैं बस सोच रहा था कि इस आदमी को इस तरह से प्रतिक्रिया क्यों करनी पड़ी।' साथियों ने कहा 'करुपा' और भीड़ की नस्लीय टिप्पणियां यह घटना कोई अकेली नहीं थी। शिवरामकृष्णन ने बताया कि तमिलनाडु की टीम में प्रमुख खिलाड़ियों ने उन्हें 'करुपा' (काले रंग वाला) कहकर बुलाया। मुंबई, चंडीगढ़ और जालंधर जैसे शहरों में जब वह बाउंड्री के पास फीलि्डंग करते थे, तो भीड़ अक्सर 'कालिया, तेरा क्या होगा' चिल्लाती थी, जो उनके त्वचा के रंग का मजाक उड़ाता था। एक अन्य नस्लवाद की घटना का जिक्र करते हुए, शिवरामकृष्णन ने खुलासा किया कि कैसे एक वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी ने उनके 17वें जन्मदिन पर लाए गए केक से उनकी त्वचा के रंग की तुलना की थी। यह सुनील गावस्कर ही थे जिन्हें उन्हें शांत करना पड़ा, जब वे रोते हुए केक काट रहे थे। जन्मदिन पर क्यों रोए थे शिवरामकृष्णन? शिवरामकृष्णन के मुताबिक, 'एक वरिष्ठ खिलाड़ी ने कहा था- हे सनी, तुमने सही रंग का केक ऑर्डर किया है। एक काले लड़के के लिए इतना डार्क चॉकलेट केक।' उन्होंने कहा, 'मैं रोने लगा और केक काटने से इनकार कर दिया। सुनील गावस्कर को मुझे शांत करना पड़ा और फिर मैंने रोते हुए केक काटा।' शिवरामकृष्णन के ये खुलासे क्रिकेट में मौजूद नस्लवाद की गहरी जड़ों को उजागर करते हैं। यह दशार्ता है कि कैसे खेल के मैदान पर प्रतिभा के साथ-साथ व्यक्तिगत गरिमा और सम्मान भी महत्वपूर्ण है। उनके अनुभव उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक चेतावनी हैं जो शायद ऐसी ही परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। बीसीसीआई पर भी लगाए गंभीर आरोप शिवरामकृष्णन ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर गंभीर नस्लवाद और भेदभाव का आरोप लगाते हुए 20 मार्च को 23 वर्षों के लंबे कमेंट्री करियर से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने बीसीसीआई पर अवसरों की कमी का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। शिवरामकृष्णन ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि दो दशकों से अधिक समय तक कमेंट्री सेटअप का हिस्सा होने के बावजूद, उन्हें लगातार टॉस ड्यूटी और मैच के बाद की प्रेजेंटेशन सेरेमनी जैसी प्रमुख ऑन-एयर रोल से दूर किया गया। जब किसी ने उन्हें सुझाव दिया कि नस्ल भेदभाव का एक कारण हो सकता है, तो शिवरामकृष्णन ने जवाब दिया, 'आप सही कह रहे हैं। रंग भेद।' इसके तुरंत बाद उन्होंने घोषणा की, 'मैं बीसीसीआई के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं।' कौन हैं लक्ष्मण शिवरामकृष्णन? लक्ष्मण शिवरामकृष्णन, जिन्हें 'शिव' के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने 1983 से 1986 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और 16 वनडे मैच खेले। उन्होंने टेस्ट मैचों में 26 विकेट लिए, जिसमें तीन पांच-विकेट हॉल शामिल हैं और वनडे में 15 विकेट हासिल किए। उन्होंने वर्ष 2000 में अपने कमेंट्री करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने 1983 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में एक घरेलू खेल में सात रन देकर दो विकेट लेने के बाद जल्दी ही ध्यान आकर्षित किया था। हालांकि अपने डेब्यू टेस्ट में वह विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन बाद में वह 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 विकेट लेकर मैच जिताने वाले प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध हुए। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट समिति में खिलाड़ी प्रतिनिधि के रूप में भी काम किया है।

हरमनप्रीत कौर के नाम पर रखा गया द्वारका स्टेडियम में स्टैंड सम्मान पाकर भावुक हुई कप्तान

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर को ओमैक्से स्टेडियम में उनके नाम पर स्टैंड समर्पित किया गया। उन्होंने इसे भावुक पल बताया और मल्टी-फॉर्मेट सीरीज बढ़ाने की वकालत की। साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को असली पहचान तभी मिलती है जब वे खिताब जीतते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को द्वारका स्थित ओमैक्से

स्टेडियम में उनके नाम पर स्टैंड समर्पित किया गया। इस खास मौके पर हरमनप्रीत भावुक नजर आईं और इसे अपने करियर की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत भावुक हूं। एक क्रिकेटर के तौर पर मैंने सिर्फ देश के लिए खेलने और खिताब जीतने का सपना देखा था, लेकिन कभी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड होगा।' मल्टी-फॉर्मेट सीरीज पर जोर इस कार्यक्रम के दौरान हरमनप्रीत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई मल्टी-फॉर्मेट सीरीज पर भी बात की और इसे खिलाड़ियों के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसी मल्टी-फॉर्मेट सीरीज और होनी चाहिए, क्योंकि हर हफ्ते अलग फॉर्मेट खेलना एक नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव देता है।' उन्होंने माना कि तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) एक साथ खेलना खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव रहा, लेकिन इससे टीम को काफी सीख मिली। खिताब जीतना क्यों जरूरी? हरमनप्रीत ने साफ कहा कि पहचान पाने के लिए सिर्फ मेहनत काफी नहीं, बल्कि ट्रॉफी जीतना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'किसी भी फील्ड में आपको कुछ खास करना होता है, खिताब जीतना होता है, तभी पहचान मिलती है। वरना मेहनत बेकार लगती है।' उन्होंने यह भी कहा कि महिला क्रिकेटरों ने वर्षों से कड़ी मेहनत की है और कई बार अपने खर्च पर भी खेला है। फैंस और मीडिया का सपोर्ट कप्तान ने भारतीय फैंस और मीडिया के समर्थन को टीम के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'खिताब जीतने के बाद हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है।'

आरसीबी के 16000+ करोड़ में बिकने पर इस क्रिकेटर ने ली चुटकी

एम्सटरडैम। पॉल वान मीकेरन के बयान ने आईसीसी के सदस्य देशों की हालत और उनकी मांगों को एक बार फिर पुख्ता किया है। सदस्य देश आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों के खिलाफ नियमित सीरीज की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि इससे सदस्य देशों को और मजबूत होने में मदद मिलेगी। आईपीएल की दो टीमों को

नया मालिक मिल गया और साथ ही रिकॉड्र्स भी बन गए हैं। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी दो अलग-अलग कंसोर्टियम ने मंगलवार को हासिल की। अमेरिकी मूल के बिजनेसमैन काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने राजस्थान रॉयल्स की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी 1.63 अरब डॉलर (करीब 15,290 करोड़ रुपये) में खरीद ली। वहीं, यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) की जगह आरसीबी का स्वामित्व अब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के हाथ आ गया है। क्रिकेट न्यूज आरसीबी को यूएसएल से आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 1.78 बिलियन यूएस डॉलर (भारतीय रुपये में करीब 16,706 करोड़) में खरीदा है। आरसीबी की डील के बाद नीदरलैंड के तेज गेंदबाज पॉल वान मीकेरन का एक ट्वीट चर्चा में आ गया है। उन्होंने इस डील पर चुटकी लेते हुए कहा कि इस राशि का 0.5 प्रतिशत भी नीदरलैंड क्रिकेट को मिल गया तो हम क्रिकेट की नई ताकत बन सकते हैं। क्ध्उ के सदस्य देशों की मांग दरअसल, हाल ही में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्वकप में आईसीसी के सदस्य देशों का प्रदर्शन शानदार रहा था। पहली बार टी20 विश्वकप 20 टीमों के साथ खेला गया और कई सदस्य देशों ने अपने प्रदर्शन से तारीफें जीतीं। इसके बाद कई सदस्य देशों के खिलाड़ियों ने आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों के साथ ज्यादा से ज्यादा मैचों की मांग की थी। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह से लेकर नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवड्र्स तक ने आईसीसी से मांग की थी कि उन्हें नियमित क्रिकेट सीरीज मिले ताकि वे आईसीसी टूनार्मेंट्स में ज्यादा से ज्यादा हिस्सा ले सकें। इस पर आईसीसी ने स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन कहा था कि कागज पर कमजोर दिखने वाली टीमों ने टूनार्मेंट को रोमांचक बना दिया। आईसीसी ने उनका आभार भी जताया था। मीकेरन ने ऐसा क्या कहा? अब मीकेरन के बयान ने इस मुद्दे को फिर उठा दिया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आरसीबी को मिली रकम का छोटा सा हिस्सा नीदरलैंड के क्रिकेटरों की मदद करेगा और क्रिकेट को और वैश्विक बनाने में एक अहम कदम साबित होगा। उन्होंने आरसीबी को टैग करते हुए लिखा, 'अगर सिर्फ इस राशि का 0.5 प्रतिशत हिस्सा भी नीदरलैंड क्रिकेट को मिल जाए, तो हम पूर्ण सदस्य से अपने गैप को कम करने में सक्षम हो सकते हैं। इससे क्रिकेट को और वैश्विक और चुनौतिपूर्ण बनाने में मदद मिलेगी।' आरसीबी का स्वामित्व बदला आईपीएल 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का स्वामित्व बदल गया है। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) की जगह आरसीबी का स्वामित्व अब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम, जिसमें द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की परपेचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटेजी शामिल है, के पास चला गया है। आरसीबी के नए संभावित चेयरमैन के बारे में खबर है कि वह टीम के कप्तान रजत पाटीदार के साथ खेल चुके हैं। आर्यमान बिड़ला आरसीबी के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। आर्यमान बिड़ला, आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के बेटे हैं।

कैसे लगी थी शराब की लत, क्यों बोले- नींद खुलती थी तो लगता था कि मर जाऊंगा?

चेन्नइ। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन के ये व्यक्तिगत अनुभव क्रिकेट की दुनिया में नस्लवाद और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की गंभीरता को उजागर करते हैं। यह दशार्ता है कि कैसे बाहरी रंगभेद और भेदभाव एक व्यक्ति के आत्म-सम्मान, मानसिक स्थिरता और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित कर सकते हैं। भारतीय क्रिकेट के पूर्व लेग-स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने अपने खेल करियर के दौरान और उसके बाद झेले नस्लीय भेदभाव और मानसिक पीड़ा के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने

बताया कि कैसे एक होटल के गेटकीपर ने रंग के आधार पर उन्हें भारतीय टीम का सदस्य मानने से इनकार कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह की घटनाओं ने उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला और उन्हें शराब की लत लग गई थी। शिवरामकृष्णन के इन चौंकाने वाले खुलासों ने भारतीय क्रिकेट को हिला कर रख दिया है। होटल में अपमान, रंग देखा और मना कर दिया शिवरामकृष्णन ने बताया कि जब वह केवल 16 वर्ष के थे, तब मुंबई के एक होटल के गेटकीपर ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया था। वह भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन गेटकीपर ने उनके रंग और उम्र को देखकर कहा कि वे भारतीय क्रिकेटर नहीं हो सकते। उन्हें एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था। शिवरामकृष्णन ने बताया कि जब तक टीम के एक साथी ने आकर उनकी पहचान की पुष्टि नहीं की, तब तक वह बाहर खड़े रहे। इस घटना ने उन पर गहरा मानसिक घाव छोड़ा। उन्होंने कहा, 'इसके बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझे चाबियां अपने साथ ले जानी चाहिए। लेकिन मैं गेट के पास जाते ही कांपने लगता था, इस डर से कि कहीं मुझे फिर से अस्वीकार न कर दिया जाए और बाहर न निकाल दिया जाए।' आत्म-सम्मान की कमी और अंधेरी रातें इन घटनाओं के कारण, शिवरामकृष्णन ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पाया जिसका आत्म-सम्मान बहुत कम था। उन्होंने कहा, 'इन सब चीजों ने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बहुत कम आत्म-सम्मान की स्थिति में डाल दिया। और जब आपके पास इतनी कम उम्र में इतना कम आत्म-सम्मान होता है, तो आत्मविश्वास की बात करना, आत्मविश्वास बनाना बहुत मुश्किल होता है। मैं हमेशा हर बात को भूलना, भूलना और भूलना चाहता था, लेकिन आपके मन में यह हमेशा जड़ जमाए रहता है और बाहर आ ही जाता है।' उन्होंने बताया कि वे पूरी तरह से टूट चुके थे और खुद को आईने में देखना नहीं चाहते थे। उन्हें नींद लाने के लिए शराब का सहारा लेना पड़ता था। जब भी वह जागते थे, उन्हें लगता था कि वह मरने वाले हैं। शराब ही वह एकमात्र चीज थी जो उन्हें सोने में मदद करती थी। शिवरामकृष्णन को लगी थी शराब की आदत आईपीएल के दौरान दुबई की यात्राओं का जिक्र करते हुए, शिवरामकृष्णन ने बताया कि कैसे तेज रफ्तार वाहनों में यात्रा करते समय उनके मन में अचानक दरवाजे खोलकर कूद जाने का ख्याल आता था। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी जब हम दुबई में आईपीएल के दौरान यात्रा कर रहे होते थे, तो कोई गति सीमा नहीं होती थी। अगर गाड़ी बहुत तेज चलती थी, तो मेरे दिमाग में कुछ कहता था कि बस दरवाजा खोलो और कूद जाओ। किसी तरह, कुछ ने मुझे ऐसा कुछ भी मूर्खतापूर्ण करने से रोक दिया।' 'आंखें खोलते ही नींद उड़ जाती थी' रात में उन्हें हैलूसिनेशन (मतिभ्रम) भी होते थे। वे बताते हैं, 'आप आंखें बंद करते हैं, आपको ऐसी छवियां दिखती हैं जिनकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। सब कुछ बहुत डरावना होता है। आप आंखें खोलते हैं, तो कुछ नहीं होता।

गंभीर के नाम और तस्वीर के गलत इस्तेमाल पर हाईकोर्ट सख्त फर्जी पोस्ट-वीडियो हटाने का निर्देश

नई दिल्ली। गौतम गंभीर के व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है ।हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए अंतरिम आदेश जारी करेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक अंतरिम

आदेश जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला गंभीर द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें उन्होंने अपने नाम और छवि के दुरुपयोग को रोकने और व्यावसायिक लाभ और गलत सूचना फैलाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कंटेंट को हटाने की मांग की थी। मामले की पृष्ठभूमि और गंभीर की याचिका गौतम गंभीर ने पहले अपनी अंतरिम याचिका की अर्जी वापस ले ली थी, ताकि वह अधिक और सटीक जानकारी के साथ एक नई अर्जी दाखिल कर सकें। सुनवाई के दौरान, न्यायाधीश ज्योति सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और विवादित लिंक की अच्छे से जांच की। कोर्ट ने पाया कि गंभीर के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर मौजूद हैं। इनमें एआई जनरेटेड डीपफेक और हेरफेर किए गए वीडियो शामिल हैं। कोर्ट का आदेश और विभिन्न प्लेटफार्मों को निर्देश न्यायाधीश ज्योति सिंह ने कहा कि वह एक ऐसा आदेश पारित करेंगी, जिसमें मेटा, गूगल और अमेजन सेलर्स को कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया जाएगा। कोर्ट गूगल और मेटा से उन अपलोडर्स की बेसिक सब्सक्राइबर जानकारी और इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) लॉगिन की जानकारी भी देने के लिए कहेगा। गंभीर के वकील जय अनंत देहाद्राई ने कहा कि कई आपत्तिजनक लिंक हटाए जा चुके हैं, लेकिन उन्हें बार-बार शेयर किया जा रहा है। उन्होंने कोर्ट से डायनामिक इंजंक्शन की मांग की, ताकि भविष्य में भी ऐसे कंटेंट को तुरंत हटाया जा सके।

राजस्थान रॉयल्स के 15000+ करोड़ में बिकने पर शेन वॉर्न के परिवार को फायदा!

जयपुर। शेन वॉर्न ने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के साथ एक खास डील साइन किया था। इस डील के तहत वह जब तक इस फ्रेंचाइजी के लिए खेलते, तब तक उन्हें हर साल के लिए 0.75% हिस्सेदारी मिलती। वॉर्न ने फ्रैंचाइजी के लिए चार सीजन खेले, जिससे उनकी कुल हिस्सेदारी तीन प्रतिशत हो गई। यह राशि उनके परिवार को आईपीएल 2026 के बाद मिलेगी, बशर्ते बीसीसीआई इसे मंजूरी दे दे। आईपीएल के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक रहा। दो फ्रेंचाइजी को लेकर दो बड़ी डीलों ने इस लीग की चमक को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। जहां एक तरफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्वामित्व बदल गया, वहीं अमेरिकी मूल के बिजनेसमैन काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने राजस्थान रॉयल्स की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी 1.63 अरब डॉलर (करीब 15,290 करोड़ रुपये) में खरीद ली। राजस्थान और काल सोमानी की डील के बाद अचानक दिवंगत क्रिकेटर शेन वॉर्न सुर्खियों में आ गए। आइए जानते हैं कि ऐसा क्या हुआ है कि वॉर्न चर्चा में हैं और उनके परिवार को इस डील से क्यों फायदा होने वाला है एक क्लॉज की वजह से चर्चा में वॉर्न ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न, जो मैदान पर अपनी जादुई गेंदों के लिए जाने जाते थे, वह एक दूर की सोच रखने वाले शख्स भी थे। उन्हें सही समय पर सही दांव लगाने के लिए जाना जाता था। 2008 में आईपीएल के पहले सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान बनने पर, उन्होंने कथित तौर पर अपने अनुबंध में एक ऐसा क्लॉज शामिल किया था, जो लगभग दो दशक बाद उनके परिवार को एक बड़ी वित्तीय सौगात देने वाला है। यह क्लॉज तब एक्टिव हुआ जब राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के नेतृत्व वाले एक अमेरिकी कंसोर्टियम ने 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,290 करोड़ रुपये) की भारी राशि में खरीदा। वॉर्न का 'वन-स्टॉप शॉप' डील 2008 सीजन से पहले जब राजस्थान रॉयल्स ने वॉर्न को साइन किया था, तब उन्हें न केवल कप्तान की भूमिका सौंपी गई थी, बल्कि फ्रेंचाइजी में क्रिकेट संचालन का पूरा नियंत्रण भी दिया गया था।

भारत से ज्यादा वेस्टइंडीज के ड्रेसिंग रूम में क्यों दिखते थे? नस्लीय भेदभाव से जुड़े तार

चेन्नई। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन का यह अनुभव दशार्ता है कि कैसे रंगभेद एक व्यक्ति के आत्म-सम्मान और अपनेपन की भावना को प्रभावित कर सकते हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने सम्मान और दोस्ती दी, जिसने उन्हें सुकून का एहसास कराया। भारतीय क्रिकेट के पूर्व लेग-स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने हाल ही में अपने करियर के उन पहलुओं को उजागर किया है, जिन्होंने उन्हें भारत के बजाय वेस्टइंडीज के ड्रेसिंग रूम में अधिक सहज महसूस कराया। 1983 में एंटीगुआ में शिवरामकृष्णन ने टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने बताया कि डेब्यू से पहले वह पाकिस्तान दौरे पर टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन खेलने को नहीं मिला था। हालांकि, पाकिस्तान में उन्हें त्वचा के रंग के कारण कुछ खराब अनुभवों का सामना किया था। इन कड़वी यादों के विपरीत, वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया, वह उनके लिए सुकूनदायक साबित हुआ। शिवरामकृष्णन ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में नस्लीय भेदभाव को लेकर अपने बयान से तहलका मचा दिया है। उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा कि इसकी वजह से उन्हें मानसिक तनाव झेलनी पड़ी। शिवरामकृष्णन ने बताया कि वेस्टइंडीज दौरे पर, जहां हर किसी की त्वचा का रंग कुछ गहरा था, वह खुद को अधिक सहज महसूस करते थे। उन्होंने कहा, 'हर किसी की त्वचा का रंग गहरा था। वे बहुत खुशमिजाज लोग थे।' पूर्व लेग-स्पिनर ने याद किया कि कैसे मैल्कम मार्शल और डेसमंड हेन्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें बाहर ले जाया करते थे। उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'वेस्टइंडीज में मेरे साथ विपक्षी खिलाड़ियों द्वारा भी बहुत अच्छा व्यवहार किया गया, वास्तव में मेरे सबसे अच्छे दोस्त डेसमंड हेन्स और दिवंगत मैल्कम मार्शल थे, वे लगभग हर शाम मुझे बाहर ले जाते थे। जब टेस्ट मैच चल रहे होते थे, तो मैं शायद कपड़ों का एक सेट बदल लेता था और मैदान पर ही नहा लेता था और अनुमति लेकर चला जाता था।

गिलेस्पी ने ऐसा क्या कहा कि फिर उड़ा पाकिस्तान सुपर लीग का मजाक

लाहौर। गिलेस्पी का यह रवैया उनके पिछले अनुभवों से सीखा गया एक स्पष्ट सबक प्रतीत होता है। पाकिस्तान टीम के साथ उनका कार्यकाल पीसीबी के साथ अनबन के कारण अचानक समाप्त हो गया था। फ्रेंचाइजी के साथ उनकी नई भूमिका में, वह स्पष्ट रूप से किसी भी तरह के अनावश्यक रुकावट से बचना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान गेंदबाजों में शुमार जेसन गिलेस्पी ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे पाकिस्तान सुपर लीग का एकबार फिर मजाक बन गया है। गिलेस्पी को कैमरे पर यह कहता सुना गया कि वह बेवकूफी से भरे वीडियोज नहीं करेंगे। इसके बाद कैमरे को तुरंत बंद कर लिया गया। दरअसल, गिलेस्पी को पीएसएल की नई फ्रेंचाइजी हैदराबाद किंग्समेन टीम का कोच नियुक्त किया गया है। इसके लिए वह लाहौर पहुंचे हैं। गिलेस्पी पाकिस्तान टीम के हेड कोच रह चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से विवाद और सैलरी नहीं मिलने के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। गिलेस्पी ने क्या कहा? गिलेस्पी ने पाकिस्तान टीम के साथ अपने विवादास्पद कार्यकाल से मिले सबक के बाद स्पष्ट कर दिया है कि उनकी नई भूमिका शुरू से ही सख्ती भरी और प्रोफेशनल रहेगी। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में गिलेस्पी ने टीम होटल में पारंपरिक 'अराइवल वीडियो' में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया और चुटकी लेते हुए अपनी स्थिति बताई। क्लिप में गिलेस्पी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'मैं नीचे नहीं आ रहा हूं। मेरे पास करने के लिए बहुत काम है। मैं उन मूर्खतापूर्ण अराइवल वीडियो की शूटिंग नहीं करूंगा।' टीम से जुड़कर हैं उत्साहित अपने इस सख्त रवैये के बावजूद, गिलेस्पी ने पाकिस्तानी प्रतिभाओं के साथ फिर से काम करने को लेकर वास्तविक उत्साह व्यक्त किया है। उन्होंने जनवरी में ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया, 'मैं हैदराबाद किंग्समेन टीम का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। आगे बहुत कुछ होने वाला है और मैं शुरूआत करने का इंतजार नहीं कर सकता।' पीसीबी से अनबन और इस्तीफे का कारण गिलेस्पी का किसी पीएसएल फ्रेंचाइजी में शामिल होने का निर्णय कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक था, खासकर पाकिस्तान राष्ट्रीय टीम के साथ उनका जुड़ाव जिस तरह से अचानक समाप्त हुआ था।

गोशालाएं बनेंगी अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन पंचगव्य से यूपी में खड़ा होगा ऑर्गेनिक बाजार

लखनऊ,(संवाददाता))। उत्तर प्रदेश जल्द ही देश का बड़ा आधुनिक टेक्नोलॉजी बेस्ड गोसंरक्षण मॉडल स्टेट बनकर उभरने वाला है। प्रदेश की गोशालाओं को अब सिर्फ पशुओं के आश्रय तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार का बड़ा केंद्र बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गो सेवा आयोग ने श्पंचगव्य वैल्यू चेनश गोमूत्र, गोबर, दूध, दही और घी पर काम करते हुए 100 से ज्यादा उत्पाद तैयार कर एक विशाल ऑर्गेनिक मार्केट तैयार करने का खाका खींच लिया है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर और आईआईटी खड़गपुर पासआउट छात्र की हाईटेक टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसी से बायोगैस प्लांट स्थापित कर बायो-सीएनजी तैयार की जाएगी। योगी सरकार के इस बड़े कदम का लाभ प्रदेश के छोटे पशुपालकों को भी होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोसंरक्षण के विजन को जमीन पर उतारने के लिए देश के शीर्ष आईआईटी संस्थानों के विशेषज्ञ भी सहयोग कर रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना का पहला प्रयोग जालौन जिले की गोशालाओं से शुरू किया जा रहा है। यहां बायोगैस प्लांट स्थापित कर जैविक खाद, बायो-सीएनजी और अन्य पंचगव्य उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

करण जौहर के द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का हिस्सा होंगी नेहा धूपिया?

एक्ट्रेस ने अब खुद बताई सच्चाई; कही ये बात

द ट्रेटर्स का नया सीजन अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चचाओं में बना हुआ है। शो के कंटेस्टेंट के लिए तमाम नाम सामने आ रहे हैं। अब नेहा धूपिया ने अपना नाम सामने आने पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए क्या नेहा धूपिया द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का हिस्सा हैं या नहीं करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चचाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चचाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चचाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है। अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है। राजस्थान में चल रही शो की शूटिंग द ट्रेटर्स की शूटिंग फिलहाल राजस्थान में चल रही है। कई मशहूर हस्तियों के नाम संभावित प्रतियोगियों के तौर पर ऑनलाइन सामने आ रहे हैं। नेहा का नाम भी शो में शामिल होने की अफवाहों में था। लेकिन फिलहाल अब नेहा धूपिया ने इस शो का हिस्सा होने से साफ इनकार कर दिया है। चर्चा में है इन हस्तियों का नाम द ट्रेटर्स के संभावित कंटेस्टेंट में कई हस्तियों के नाम चर्चा में बने हुए हैं। इनमें लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा कथित तौर पर 'द ट्रेटर्स' में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वैरायटी इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके अलावा रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, मुनव्वर फारूकी और मल्लिका शेरावत इस सीजन के बड़े नामों में शामिल हैं। यूट्यूब पर्सनैलिटी फुकरा इंसान (अभिषेक मल्हान) और कॉमेडियन कुल्लू का भी नाम शामिल है। उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने जीता था पहला सीजन शो का पहला सीजन अमेजन प्राइम वीडियो इंडिया पर प्रसारित हुआ था। पहला सीजन अभिनेत्री-फैशनिस्टा उर्फी जावेद और पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर ने संयुक्त रूप से जीता था। करण जौहर ने पहले सीजन को होस्ट किया था। अब दूसरे सीजन को भी वो ही होस्ट करेंगे।

एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 की उम्र में निधन, लंबे समय से पार्किंर्सस रोग से थीं पीड़ित

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। दिग्गज एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 साल की उम्र में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने अपने बेवर्ली हिल्स स्थित घर पर अंतिम सांस ली। वैलेरी के निधन की पुष्टि उनकी दोस्त स्टेसी साउथर ने फेसबुक के जरिए की है।... एंटरटेनमेंट डेस्क. मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। दिग्गज एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 साल की उम्र में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने अपने बेवर्ली हिल्स स्थित घर पर अंतिम सांस ली। वैलेरी के निधन की पुष्टि उनकी दोस्त स्टेसी साउथर ने फेसबुक के जरिए की है। साथ ही उनकी अंतिम इच्छा का भी खुलासा किया। वैलेरी पेरिन की फ्रेंड साउथर ने बताया कि साल 2015 में पार्किंर्सस रोग का पता चलने के बाद से पेरिन इलाज के खर्च के चलते आर्थिक तंगी का सामना कर रही थीं। पेरिन ने अपनी बीमारी का सामना पूरे साहस के साथ किया। उन्होंने कभी शिकायत नहीं की। वह एक सच्ची प्रेरणा थीं, जिन्होंने जीवन को पूरी तरह से जिया। उनके बिना यह दुनिया कम खूबसूरत लगती है। साथ ही साउथर ने बताया कि पेरिन की अंतिम इच्छा फॉरेस्ट लॉन कब्रिस्तान में दफन होने की थी। इसके साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस की अंतिम इच्छा पूरी करने में फैंस से मदद करने की अपील की। उन्होंने मदद के लिए दान करने और पैसे जुटाने के अभियान को शेयर करने को कहा। काम की बात करें तो पेरिन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक फेमस एक्ट्रेस थीं। उन्होंने फिल्म स्लॉटरहाउस-फाइव से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। बॉब फॉस की फिल्म श्लेनीश से उन्हें बड़ी पहचान दिलाई। इसके अलावा वह डब्ल्यू.सी. फील्ड्स, मी एंड मिस्टर बिलियन, द इलेक्ट्रिक हॉर्समैन, कांट स्टॉप द म्यूजिक, द बॉर्डर और वॉटर जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। इसके अलावा नॉर्दर्न एक्सपोजर, होमिसाइडरू लाइफ ऑन द स्ट्रीट और ईआर जैसे लोकप्रिय टीवी शोज में भी दिखाई दीं।

'केडी द डेविल' के निर्देशक ने खोले राज, नोरा के गाने 'सरके चुनर' विवाद को किया खारिज

फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' के बोलों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जिस पर फिल्म के निर्देशक प्रेम ने गाने के विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' को लेकर काफी विवाद हो गया

है। गाने के बोलों की वजह से लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं आईं और अभिनेत्री नोरा फतेही के खिलाफ कथित फतवे तक की बातें सामने आईं। अब 'केडी द डेविल' के निर्देशक प्रेम ने इस विवाद पर अपनी राय पेश की है। गाने पर हो रहे विवाद को लेकर प्रेम की राय कई लोग कह रहे हैं कि यह विवाद फिल्म को प्रमोट करने के लिए जानबूझकर रचाया गया है, लेकिन फिल्म के निर्देशक प्रेम ने इस बात से साफ इनकार किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के अनुसार, 'केडी द डेविल' के निर्देशक प्रेम ने कहा, 'मैं कोई विवाद नहीं चाहता। मेरी फिल्म भावनात्मक कहानी पर बनी है। यह गाना सिर्फ पार्टियों में नाचने के लिए बनाया गया था। कर्नाटक और केरल में तो लोगों को यह गाना बहुत पसंद आया है। मैं विवाद क्यों खड़ा करूंगा?' निर्देशक ने भाषा को लेकर रखी अपनी राय निर्देशक प्रेम का कहना है कि मूल गीत उन्होंने कन्नड़ भाषा में लिखा था। हिंदी अनुवाद गीतकार रकीब आलम ने किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि विवादित शब्दों की उन्हें जानकारी नहीं थी क्योंकि वह हिंदी में ज्यादा अच्छे नहीं हैं। प्रेम ने कहा, 'मैं एक गांव से हूं', जहां गाने में जो भाषा इस्तेमाल हुई है, वह गांव में बातचीत में इस्तेमाल होती है। यह आम भाषा है।' गानो को लेकर निमार्ताओं की राय फिल्म निमार्ताओं ने बताया कि विवादित लाइनों को बदल दिया गया है और नया संस्करण अब सेंसर बोर्ड को भेज दिया जाएगा। फिल्म के निमार्ता ने कहा, 'अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मुझे बेहद अफसोस है। हमारी फिल्म को गाने के एक छोटे से मुद्दे की वजह से इतना विवाद झेलना पड़ा। इसे अनावश्यक रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।

एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, इन एक्टर्स को बताया अपना फेवरेट

शालिनी पांडे ने धुरंधर को पसंदीदा फिल्म बताया है। एक्ट्रेस ने बताया कि अब वो किस जॉनर की फिल्में करना चाहती हैं। जानिए कौन है शालिनी पांडे का पसंदीदा कलाकार... अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। धुरंधर को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई।

एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। एक्शन फिल्म में काम करने की जताई इच्छा इंडिया टुडे से बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं।

आलिया भट्ट और कृति सेनन से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

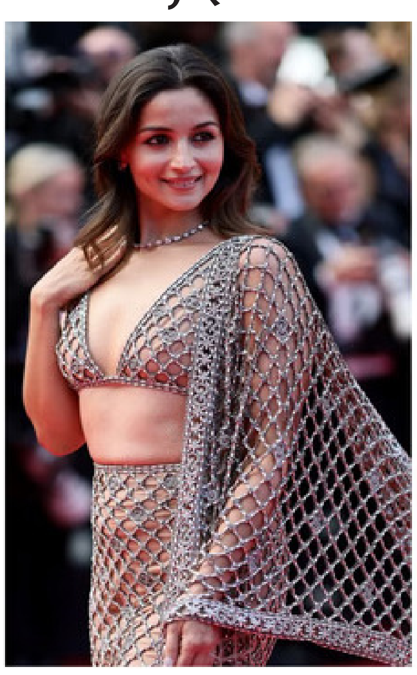

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने अभिनय के बाद निर्माण में कदम रखा है। इनमें से कुछ अभिनेत्रियों ने इस क्षेत्र में सफलता भी हासिल की है। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है। अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'ठल्ल10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है। प्रियंका चोपड़ा जोनस प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

जैस्मीन से तलाक के 6 साल बादशाह ने रचाई दूसरी शादी, एक्ट्रेस ईशा रिखी संग लिए सात फेरे

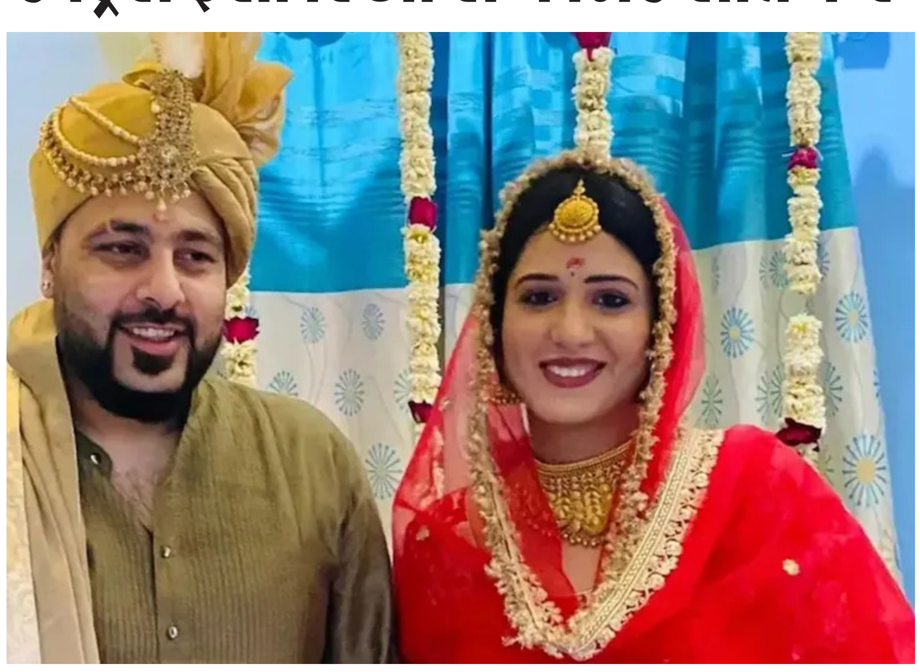

फेमस सिंगर और रैपर बादशाह इस वक्त खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।सोशल मीडिया पर उनकी दूसरी शादी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया फोटोज के मुताबिक, सिंगर ने तलाक के 6 साल बाद हाल ही में ईशा रिखी संग दूसरी शादी कर ली है। शादी की ये तस्वीरें ईशा की मां ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसे देख उनके फैंस काफी हैरान रह गए हैं और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। 6 साल पहले बादशाह का पत्नी जैस्मिन मसीह से तलाक हो गया था और अब वो ईशा रिखी संग शादी की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में बादशाह ब्राउन कुर्ता और गोल्डन साफा पहने दिख रहे हैं। वहीं ईशा लाल जोड़े में दुल्हन बनीं नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में दोनों वरमाला पहने दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई तस्वीरों में वे शादी के मंडप पर बैठे रस्में निभाते दिख रहे हैं। बादशाह की शादी बेहद सादगी से हुई, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवारवाले ही शामिल हुए। अचानक सोशल मीडिया पर सामने आई बादशाह की गुपचुप शादी की तस्वीरें देख हर कोई हैरान रह गया है। हालांकि, अभी तक बादशाह और ईशा रिखी ने अपनी शादी और इन तस्वीरों की कोई पुष्टि नहीं की है। बता दें, ईशा रिखी एक मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत जट्ट बॉयज पुत जटां दे से की थी, जिसमें उनके साथ सिप्पी गिल नजर आए थे। इसके बाद वह हैप्पी गो लकी, मेरे यार कमीने और व्हाट द जाट जैसी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, बादशाह की बात करें तो उन्होंने पहली शादी साल 2012 में जैस्मीन मसीह से रचाई थी।

लंबे समय बाद काम पर लौटे बाबिल खान, शूटिंग के लिए तैयार होते आए नजर, कहा- दोबारा गर्व महसूस कराने का समय..

दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे और एक्टर बाबिल खान ने पिछले साल मई में सोशल मीडिया पर काम से ब्रेक लेने का फैसला सुनाकर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने निर्देशक साई राजेश की फिल्म श्बेबीश के हिंदी रीमेक को छोड़ दिया था। वहीं, अब काफी समय बाद अब बाबिल खान फिर से शूटिंग पर लौट आए हैं। सोशल मीडिया पर यह अपडेट देकर एक्टर ने अब फिर से फैंस को खुश कर दिया है।

बाबिल खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन से एक अपडेट शेयर किया, जिसमें वह शॉट के लिए तैयार होते नर आ रहे हैं और काम पर वापस आने के लिए उत्साहित दिख रहे हैं। मेकअप आर्टिस्ट उनका मेकअप करता दिख रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए बाबिल ने कैप्शन में लिखा-फिर से काम पर लौट आया हूं, आपको दोबारा गर्व महसूस कराने का समय है। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई और फैंस उनके काम पर वापसी को लेकर काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, आपकी दमदार एक्टिंग को सब मिस कर रहे थे। वहीं दूसरे ने कहा, आपको स्क्रीन पर देखने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं। वहीं, बाबिल खान के एक करीबी सूत्र ने बताया- बाबिल शूटिंग पर वापस आकर काफी खुश हैं। एक्टिंग उनके लिए बहुत खास है और कैमरे के सामने होना उन्हें एक अलग सुकून देता है। यह मैसेज उनके अगले प्रोजेक्ट के सेट से है, जिसकी शूटिंग उन्होंने भोपाल में शुरू की है। बता दें, बाबिल खान ने फिल्म कला (2022) से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी, जिसमें उनके काम को काफी पसंद किया गया था। वहीं, इसके बाद वह वेब सीरीज द रेलवे मेन और फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान (2023) में नजर आए।

मंत्र भारत ग्वालियर -गुरूवार,26 मार्च 2026

हर गांव तक बसः 12 हजार से ज्यादा गांवों की बदलेगी तस्वीर

लखनऊ,(संवाददाता))। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण परिवहन विकास को नई दिशा देने के लिए योगी सरकार ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, 2026 के तहत 12,200 ऐसे गांवों में बस सेवा शुरू की जाएगी, जहां सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं थी। यह पहल सिर्फ बस चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर गांव तक वास्तविक संपर्क सुनिश्चित करने की है। साफ संदेश है, जहां बस जाएगी, वहां संपर्क मार्ग भी होगा और वहीं से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच का रास्ता खुलेगा। ग्रामीण परिवहन पर खर्च 2011-12 में घरेलू बजट के 4.2 फीसदीसे बढ़कर 2022-23 में लगभग 7.5 फीसदी हो गया है। यही वह अंतर है जो योगी सरकार को अन्य सरकारों से अलग करता है। शोर कम, काम ज्यादा और अंतिम व्यक्ति तक सुविधा पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिबद्ध हैं। बीते वर्षों में सड़कों का व्यापक जाल बिछा, लेकिन 12 हजार से ज्यादा गांव अब भी सुविधाओं से कटे हुए थे। योगी सरकार ने इस अंतर को पहचानते हुए कनेक्टिविटी की परिभाषा को बदला है। अब केवल सड़क बनाना लक्ष्य नहीं, उस सड़क पर नियमित परिवहन है। यह योजना 59,163 ग्राम सभाओं को जोड़ने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। करीब 5,000 ऐसे गांव, जहां बड़ी बसें नहीं पहुंच सकतीं, वहां 28 सीटों तक की छोटी बसें चलाई जाएंगी। दुर्गम इलाकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का स्पष्ट रोडमैप तैयार है। बसों की सेवा प्रत्येक ग्राम पंचायत में दिन में कम से कम दो बार की जाएगी, जिससे लोगों को नियमित और भरोसेमंद परिवहन सुविधा मिल सके।

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम की बातचीत होने का दावा कर रहे हैं। वहीं ईरान की सेना की तरफ से इससे इनकार किया गया है। इस बीच ट्रंप ने कहा है कि उन्हें ईरान की तरफ से एक खास और महंगा तोहफा मिला है। आइए जानते हैं कि ट्रंप ने इसे लेकर क्या कहा... राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चचाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है। ट्रंप बोले- हम ईरान में सही लोगों से बात कर रहे दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया

से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं। ट्रंप को मिला तोहफा तेल और गैस से जुड़ा ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।' ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। युद्धविराम के लिए अमेरिका ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय प्रस्ताव इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है। ईरान की सेना का ट्रंप पर तंज एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के साथ बातचीत होने का दावा कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ ईरानी की सेना ने ट्रंप पर तंज कसा है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने ट्रंप के बातचीत के दावे का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि 'अपनी हार को समझौते का नाम देने की कोशिश न करें। आपके वादों के युग का अंत हो रहा है। दुनिया में अब दो मोर्चे हैं, जिनमें से एक सच्चाई का है और एक झूठ का। आपकी अंदरूनी लड़ाई इस हद तक पहुंच गई है कि अब आप खुद से ही समझौते पर बात कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आपके निवेश पर कोई बात नहीं होगी, न ही आप भविष्य में तेल और गैस की पुरानी कीमतों को वापस देखेंगे। आपको ये समझना होगा कि इस क्षेत्र की शांति और स्थिरता हमारी सेना के ताकतवर हाथों में है।

मेटा पर 3100 करोड़ का जुमार्ना, कोर्ट ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का ठहराया दोषी

न्यू मैक्सिको। मुकदमे के दौरान जूरी ने मेटा के आंतरिक दस्तावेज, अधिकारियों की गवाही, व्हिसलब्लोअर्स के बयान और तकनीकी विशेषज्ञों की राय सुनी। जांच में यह भी

सामने आया कि अंडरकवर एजेंट्स ने बच्चों के रूप में सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर यौन शोषण से जुड़े मामलों और मेटा की प्रतिक्रिया का परीक्षण किया। अमेरिका के न्यू मैक्सिको में एक जूरी ने मंगलवार को मेटा को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बाल यौन शोषण से जुड़े खतरों को छिपाने का दोषी ठहराया। करीब सात हफ्ते चले इस ट्रायल के बाद आए इस फैसले को टेक कंपनियों के खिलाफ सख्ती के बढ़ते रुझान के रूप में देखा जा रहा है। सोशल नेटवर्क जूरी ने राज्य के अभियोजकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि मेटा (इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का मालिक) ने सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को प्राथमिकता दी। जूरी ने माना कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और यौन शोषण के खतरों को लेकर भ्रामक जानकारी दी और अनुचित व्यापारिक तरीकों का इस्तेमाल किया। मेटा पर लगा 3100 करोड़ रुपये का जुमार्ना जूरी ने पाया कि हजारों उल्लंघन हुए हैं, जिनके आधार पर 375 मिलियन डॉलर यानी करीब 3100 करोड़ भारतीय रुपये का जुमार्ना तय किया गया, जो अभियोजन पक्ष की मांग से काफी कम है। हालांकि, कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर है और फैसले के बाद उसके शेयरों में करीब 5% की बढ़त देखी गई। फिलहाल मेटा को तुरंत अपने कामकाज में बदलाव करने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। अब यह तय करना एक जज के ऊपर होगा कि क्या मेटा के प्लेटफॉर्म्स सार्वजनिक नुकसान का कारण बने और क्या कंपनी को इससे जुड़े नुकसान की भरपाई करनी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई मई में होगी। मेटा ने फैसले पर जताई असहमति मेटा के प्रवक्ता ने फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि कंपनी इसके खिलाफ अपील करेगी। उन्होंने कहा कि मेटा अपने प्लेटफॉर्म्स पर लोगों को सुरक्षित रखने के लिए लगातार काम करती है और हानिकारक कंटेंट को हटाने की कोशिश करती है। यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ बढ़ते कानूनी मामलों में से एक है। 2023 में न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज द्वारा दायर इस मुकदमे में आरोप लगाया गया था कि मेटा ने सोशल मीडिया के खतरों और लत से जुड़े मुद्दों को पूरी तरह उजागर नहीं किया। जूरी ने यह भी जांचा कि कंपनी ने 13 साल से कम उम्र के उपयोगकताओं पर प्रतिबंध लागू करने, किशोर आत्महत्या से जुड़े कंटेंट और एल्गोरिदम के जरिए हानिकारक सामग्री को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर क्या जानकारी साझा की।

पटरी से उतरीं तेजगाम एक्सप्रेस की 5 बोगियां, 26 यात्री घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल, लाहौर से कराची जा रही तेजगाम एक्सप्रेस की 5 बोगियां पटरी से उतर गईं। इस हादसे में 26 लोग घायल हुए हैं। पुलिस वालों

ने कड़ी मशक्कत से सभी यात्रियों को खिड़कियां और दरवाजे काटकर सुरक्षित बाहर निकाला। पाकिस्तान में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। लाहौर से कराची जा रही तेजगाम एक्सप्रेस की 5 बोगियां पटरी से उतर गईं. यह हादसा बहावलपुर-लोधरां सेक्शन के बीच आदम वाहन रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। जानकारी के मुताबिक, इस दुर्घटना में 26 लोग घायल हुए हैं। देर रात मची अफरा-तफरी हादसे की सूचना मिलते ही लोधरां के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल हफीज, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर लियाकत गिलानी मौके पर पहुंच गए। अंधेरे में राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। पलटी हुई बोगियों में कई यात्री फंस गए थे। पुलिस वालों ने कड़ी मशक्कत से सभी यात्रियों को खिड़कियां और दरवाजे काटकर सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत यह रही कि इस पूरे हादसे में अब तक किसी की जान जाने की खबर नहीं है। 9 लोग गंभीर रूप से घायल लोधरां रेस्क्यू 1122 के मुहम्मद सफदर ने कहा कि कुल 26 यात्री घायल हुए हैं। 17 यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी दे दी गई। हालांकि, एक महिला समते नौ गंभीर घायलों को लोधरां के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक यात्री की हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल प्रशासन ने आपात स्थिति को देखते हुए 35 बेड वाला एक अलग वार्ड आरक्षित कर दिया है। क्या रही दुर्घटना की वजह? पाकिस्तान रेलवे ने फिलहाल हादसे के कारणों पर चुप्पी साधी हुई है। हालांकि, जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रेन के दो डिब्बों को जोड़ने वाला 'कपलर' अचानक टूट गया, जिससे ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन के साथ लगे पांच डिब्बे पूरी तरह पलट गए। रेल यातायात प्रभावित हादसे के बाद मुख्य ट्रैक पर रेल यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। समसट्टा रेलवे जंक्शन से एक रिलीफ ट्रेन घटना स्थल पर भेजी गई है ताकि ट्रैक को साफ कर यातायात बहाल किया जा सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह तकनीकी खराबी थी या पटरी के रखरखाव में कोई लापरवाही।

रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा- मार गिराए 389 यूक्रेनी ड्रोन, 13 क्षेत्रों को बनाया था निशाना

मॉस्को। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लेकिन रूस यूक्रेन युद्ध की तीव्रता कम नहीं हुई है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन के 389 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। पढ़िए रिपोर्ट- रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने यूक्रेन के 389 ड्रोन मार गिराए। मंत्रालय ने बताया कि रूस के विभिन्न इलाकों और क्रीमिया पर रात के समय हमला हुआ। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के चार साल बाद यह सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस के 13 क्षेत्रों और क्रीमिया प्रायद्वीप के ऊपर इन हमलों को रोका गया। क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था और इसे अपने में मिला लिया था। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

गैरकानूनी माना जाता है। यह हमला दिखाता है कि यूक्रेन ने अपने देश में ही लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन बनाने की क्षमता काफी बढ़ा ली है। पहले रूस ने किए मिसाइल और ड्रोन हमले इससे एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया था। जिसमें 24 घंटे के भीतर करीब एक हजार ड्रोन और 34 मिसाइल दागी गई। हमला आमतौर पर रात के वक्त होता है। लेकिन इस बार दिन में भी जारी रहा। यह युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक था। रूसी हमले में छह लोगों की मौत, 50 घायल यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, इन हमलों में छह लोगों की मौत हुई और करीब 50 लोग घायल हुए। मॉस्को के उत्तर में लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर द्रोजदेंको ने बताया कि वहा 56 ड्रोन मार गिराए गए। यूक्रेन की सेना ने रात के समय रूस के बेलगोरोद क्षेत्र पर मिसाइल हमला भी किया। यह क्षेत्र यूक्रेन से सटा हुआ है। वहां के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव के मुताबिक, इस हमले में उर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा और बिजली, पानी आदि की आपूर्ति बाधित हुई। रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर अलग-अलग प्रकार के 948 ड्रोन दागे थे।

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान, फ्लोरिडा चुनाव में रिपब्लिकन प्रत्याशी को मात

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा चुनाव में खुद मेल से वोट डाला है, जबकि वे इस व्यवस्था को धोखाधड़ी बताकर इसे खत्म करने की मांग कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं ने इसे ट्रंप का दोहरा व्यवहार कहा है। वहीं, ट्रंप समर्थित उम्मीदवार इस चुनाव में हार गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में

मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह 'धोखाधड़ी' है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला। फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

अमेरिका को होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिए पूर्व एनएसए बोल्टन का बड़ा बयान भारत का भी किया जिक्र

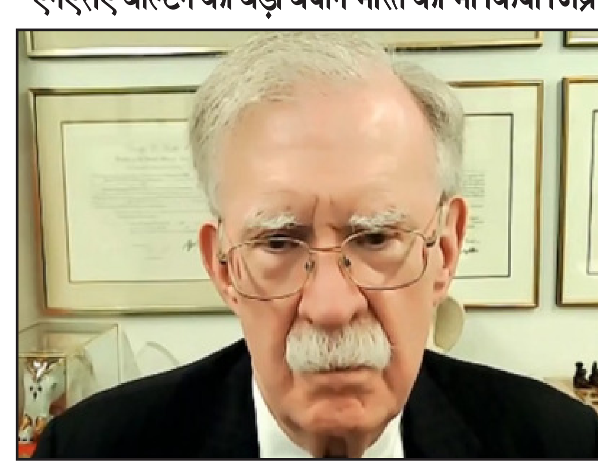

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा है कि ईरान को जब तक तेल राजस्व मिलता रहेगा, उसकी युद्ध मशीन चलती रहेगी और क्षेत्रीय सैन्य संतुलन भी बिगड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान का राजस्व रोकने के लिए होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ईरान के तेल राजस्व को खत्म करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए। जॉन बोल्टन ने आकलन किया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की बातचीत में क्षेत्रीय संघर्ष और ईरानी ऊर्जा पर भारत की निर्भरता पर बात हुई होगी। 'तेल के राजस्व से ईरान की युद्ध मशीन चलती है' जॉन बोल्टन ने कहा, 'मुझे लगता है कि पीएम मोदी की सोच साफ है कि वे ईरान से तेल खरीदने के इच्छुक हैं। आज सुबह दो भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकले भी हैं। हालांकि इस लेन-देन का असर भू-राजनीति पर पड़ता है।' बोल्टन ने कहा कि 'इस तरह राजस्व का प्रवाह क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और इससे ईरान को राजस्व मिलता है और उसकी युद्ध मशीन चलती रहती है।' 'अमेरिका को होर्मुज की नाकाबंदी करनी चाहिए' जॉन बोल्टन ने कहा, 'पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत में भारत की ऊर्जा जरूरतों को ईरान की बजाय एक स्थायी स्त्रोत पर स्थानांतरित करने पर भी बात हुई होगी।' बोल्टन ने कहा कि 'अमेरिका को ईरान के राजस्व स्त्रोतों को बाधित करने की जरूरत है और इसके लिए मुझे लगता है कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी करनी चाहिए ताकि ईरान का निर्यात बाधित हो।' पीएम मोदी ने राज्यसभा में दिया बयान दोनों नेताओं की बातचीत ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए पांच दिनों के संघर्ष विराम का एलान किया है। मंगलवार को पीएम मोदी ने भी राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात पर सरकार का पक्ष रखा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने समुद्री और प्रवासी हितों की रक्षा के लिए अपनी राजनयिक ताकत का इस्तेमाल कर रहा है।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध

टोक्यो। टोक्यो में एक जापानी सैनिक को चीनी दूतावास की दीवार फांदकर अंदर घुसने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस सुरक्षा चूक पर चीन ने कड़ा विरोध जताते हुए जापान से जवाब मांगा है। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है।

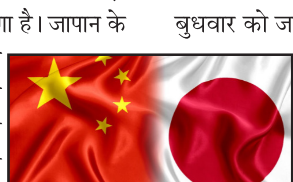

चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने की पुष्टि जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था।

पाकिस्तान में ईरानी राजदूत ने बताई सच्चाई, कहा- ये जंग धोखेबाजी का नतीजा

इस्लामाबाद। ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी शांति वार्ता से इनकार करते हुए कहा कि मौजूदा जंग अमेरिका की धोखेबाजी का नतीजा है। राष्ट्रपति ट्रंप के बातचीत के दावे को ईरान ने खारिज कर दिया है। इस्त्राइल ने भी किसी वार्ता की जानकारी से इनकार करते हुए सैन्य कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह की शांति वार्ता नहीं चल रही है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदम के इस बयान ने उस समय स्थिति को और उलझा दिया, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है और युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। ईरान के इस सख्त रुख से साफ है कि हालात अभी सामान्य होने से दूर हैं। ईरानी राजदूत ने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा युद्ध अमेरिका की धोखेबाजी का नतीजा है। यानी पहले जो बातचीत की कोशिशें थीं, उन्हें अमेरिका ने तोड़ा और अब हालात युद्ध तक पहुंच गए हैं। दूसरी ओर इस्त्राइल ने भी किसी शांति वार्ता की जानकारी से इनकार किया है और साफ कहा है कि सैन्य कार्रवाई अभी जारी रहेगी। क्या सच में शांति वार्ता चल रही है? ईरान के बयान ने ट्रंप के दावे को सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा था कि बातचीत चल रही है और ईरान समझौता करना चाहता है। लेकिन ईरान ने साफ कहा कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हो रही। इससे यह साफ हो गया है कि दोनों पक्षों के बयान अलग-अलग हैं और जमीनी हकीकत अभी भी टकराव की ही है। इस्त्राइल का क्या है रुख? इस्त्राइल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डैनन ने कहा कि उन्हें किसी बातचीत की जानकारी नहीं है और इस्त्राइल का लक्ष्य साफ है कि ईरान परमाणु क्षमता हासिल न कर सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।